A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 27 दिसंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 89, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महाराष्ट्र: ठाकरे भाइयों के साथ आने से कितना फर्क पड़ेगा?

सत्य ब्यूरो

उद्धव और राज ठाकरे 20 साल बाद एक साथ आए, बीएमसी चुनाव गठबंधन में लड़ेंगे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे करीब 20 साल बाद चुनाव एक साथ लड़ने की घोषणा की है। दोनों नेताओं के बीएमसी (बृहन्मुंबई महा नगर पालिका) चुनाव में साथ लड़ने से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। क़रीब 20 साल के बाद ठाकरे परिवार के दो भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ आ गए हैं। दोनों नेताओं ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी चुनावों के लिए गठबंधन का ऐलान किया है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने बुधवार को एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। उद्धव ठाकरे ने कहा है कि बीजेपी के अंदर जो हो रहा है उसको बर्दाश्त नहीं करने वाले लोग भी शिवसेना यूबीटी-एमएनएस गठबंधन के साथ आ सकते हैं।

एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने ऐलान किया, 'मैं आधिकारिक तौर पर घोषणा करता हूं कि शिवसेना और एमएनएस गठबंधन के पार्टनर हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई को एक मराठी मेयर मिलेगा और भरोसा दिलाया कि वह व्यक्ति शिवसेना यूबीटी-एमएनएस गठबंधन से होगा। उनके बगल में बैठे उद्धव भी आत्मविश्वास से भरे दिखे और कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए मुंबई हमारे साथ रहेगी।'

दोनों नेताओं ने मराठी पहचान की राजनीति के एक नए दौर की शुरुआत का संकेत भी दिया। राज ठाकरे ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मराठी लोगों को वह मिले जो वे चाहते हैं। उन्होंने शिंदे सेना-बीजेपी गठबंधन में नाखुश लोगों से भी उनके गठबंधन में शामिल होने की अपील की। कुछ ऐसी ही बात उद्धव ने भी कही।

बृहन्मुंबई नगर निगम के चुनाव एक महीने के अंदर होने हैं। देश के सबसे अमीर नगर निकाय पर कंट्रोल पाने के मकसद से कई पार्टियों ने 15 जनवरी को होने वाले चुनावों से पहले ही ज़ोरदार कैंपेन की तैयारी कर ली है।

उद्धव ठाकरे के पुराने साथी और सांसद संजय राउत ने दोनों नेताओं के हाथ मिलाने को मराठी लोगों और महाराष्ट्र के लिए खुशी का पल बताया। राउत ने पत्रकारों से कहा, 'बालासाहेब ठाकरे ने शिव सेना की स्थापना महाराष्ट्र के बेटों के लिए की थी। 20 सालों तक ठाकरे भाई साथ नहीं थे और महाराष्ट्र को बहुत कुछ झेलना पड़ा। अब, बीजेपी को सबक सिखाने, मुंबई में चल रही लूट को रोकने के लिए उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए हैं।'

शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक पल है...। यह समय की ज़रूरत है... पिछले 3.5 सालों से बीएमसी के चुनाव नहीं हुए हैं। उन्होंने खजाने को लूटा है, और लोगों के लिए कोई काम नहीं किया है।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस गठबंधन को खारिज करते हुए तंज कसा। उन्होंने कहा, 'इतना हाइप क्रिएट किया जा रहा है जैसे रूस और यूक्रेन साथ आ गए हों, जैसे जेलेंस्की और पुतिन बातचीत कर रहे हों।' फडणवीस ने आगे कहा कि दोनों पार्टियां अपनी राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट हुई हैं। उन्होंने कहा, 'यह गठबंधन लोगों को कोई फायदा नहीं देगा। महाराष्ट्र की जनता ने हमारा काम देखा है, इसलिए महायुति ही जीतेगी। मुंबई हमारे साथ थी और रहेगी।' फडणवीस ने इसे राजनीतिक मजबूरी करार दिया और कहा कि मराठी मानूस महायुति को वोट देगा।

शिवसेना-यूबीटी और एमएनएस गठबंधन पर महाराष्ट्र के मंत्री और शिंदे सेना के नेता संजय शिरसाट ने पत्रकारों से कहा, 'अगर इन लोगों में सच में ताकत होती तो हाल के नगर परिषद चुनावों में इन्हें इतनी बुरी हार क्यों मिली? यह गठबंधन आज मजबूरी में बना है, क्योंकि कांग्रेस उद्धव ठाकरे के साथ नहीं है और शरद पवार भी उनके साथ नहीं हैं, इसलिए उन्हें किसी न किसी की ज़रूरत है। जैसे डूबता हुआ आदमी तिनके का सहारा लेता है, उसी तरह वे राज ठाकरे का सहारा लेना चाहते हैं। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि इससे उन्हें ज़्यादा फायदा होगा।'

मुंबई में मराठी बोलने वाले लोग करीब 26 प्रतिशत हैं। ठाकरे परिवार का मुख्य समर्थन इन्हीं लोगों से मिलता है। अब दोनों भाई साथ हैं तो मराठी वोट बंटने की बजाय एक जगह आएंगे। इससे उनके गठबंधन को फायदा होगा। इसके अलावा, मुंबई में मुस्लिम लोग लगभग 11 प्रतिशत हैं। ये ज्यादातर बीजेपी के खिलाफ वोट करते हैं। दलित लोग भी करीब 11 प्रतिशत हैं, जिनमें से कई बीजेपी को पसंद नहीं करते। अगर ये वोट ठाकरे गठबंधन की तरफ आए तो बीजेपी को चिंता हो सकती है।

2024 के विधानसभा चुनाव में उद्धव की शिवसेना और राज की मनसे को ज्यादा सीटें नहीं मिलीं। लेकिन मुंबई के बीएमसी के 227 वार्डों में देखें तो मनसे का असर बड़ा है। 67 वार्डों में मनसे को इतने वोट मिले थे कि जीतने वाले उम्मीदवार से ज्यादा थे। इनमें से 39 वार्डों में महाविकास अघाड़ी यानी एमवीए आगे थी और 28 में सत्ताधारी महायुति। मनसे का असर कुल 123 वार्डों में दिखा।

अब अगर दोनों पार्टियां साथ लड़ेंगी तो वोट एक दूसरे को ट्रांसफर हो सकते हैं। इससे वे 39 वार्ड तो मजबूत करेंगे ही, 28 वार्डों में भी जीत सकते हैं। मनसे की ताकत वर्ली, दादर, माहिम, घाटकोपर, विक्रोली और मालाड जैसे मराठी इलाकों में है।

इस गठबंधन से बीजेपी को अपनी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। अब बीजेपी को ज्यादा अपने साथी एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर भरोसा करना होगा। खासकर मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नासिक, पुणे और नवी मुंबई जैसे शहरों में जहां मराठी लोग ज्यादा हैं।

दोनों ठाकरे भाई हमेशा मराठी माणूस की बात करते हैं। बालासाहेब ठाकरे ने इसी मुद्दे पर 1966 में शिवसेना बनाई थी। अब उनकी एकता से मराठी वोटों का ध्रुवीकरण हो सकता है, जो बीजेपी-शिंदे गठबंधन के लिए मुश्किल पैदा करेगा।

यह गठबंधन सबके लिए अच्छा नहीं है। कांग्रेस को राज ठाकरे की कट्टर विचारधारा पसंद नहीं। इसलिए कांग्रेस ने कहा कि वह बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी। महाविकास अघाड़ी यानी एमवीए में दरार पड़ गई है। कांग्रेस का कहना है कि उनकी राजनीति सबको साथ लेकर चलने वाली है, इसलिए मनसे जैसे दल के साथ नहीं जा सकते।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

तुमुल कोलाहल कलह में
मैं हृदय की बात रे मन!
विकल होकर नित्य चंचल,
खोजती जब नींद के पल,
चेतना थक–सी रही तब,
मैं मलय की वात रे मन!
चिर–विषाद–विलीन मन की,
इस व्यथा के तिमिर–वन की;
मैं उषा–सी ज्योति–रेखा,
कुसुम–विकसित प्रात रे मन!
जहाँ मरु–ज्वाला धधकती,
चातकी कन को तरसती,
उन्हीं जीवन–घाटियों की,
मैं सरस बरसात रे मन!
पवन की प्राचीर में रुक
जला जीवन जी रहा झुक,
इस झुलसते विश्व–दिन की
मैं कुसुम–ऋतु–रात रे मन!
चिर निराशा नीरधर से,
प्रतिच्छायित अश्रु–सर में,
मधुप–मुखर–मरंद–मुकुलित,
मैं सजल जलजात रे मन!

– जयशंकर प्रसाद

भारत के युवा बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें

● मोदी बोले-जेन जेड और जेन अल्फा हमें विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे

क्रिकेटर वैभव समेत 20 बच्चों को मिला बाल पुरस्कार, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीर बाल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इन बच्चों को 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुना गया है। 14 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पुरस्कार लेने के लिए दिल्ली में हैं, इसलिए वे विजय हजारे टूर्नामेंट में मणिपुर के खिलाफ मैच नहीं खेल रहे। राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बॉर्डर पर जवानों को चाय-नाश्ता देने वाले फिरोजपुर के श्रवण सिंह भी शामिल हैं। 2 बच्चों को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। इनमें तमिलनाडु की ब्योमा और बिहार के कमलेश कुमार का नाम शामिल है। इनके पुरस्कार माता-पिता ने लिए। पीएम मोदी ने विजेता बच्चों से मुलाकात की।

रटने के बजाय, सोचने की आदत विकसित हो

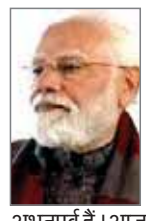

पीएम ने कहा– आज फोकस प्रैक्टिकल लर्निंग पर है। बच्चों में रटने के बजाए, सोचने की आदत विकसित हो। उनमें सवाल पूछने का साहस और समाधान खोजने की क्षमताएं विकसित हों। इसके

लिए पहली बार इस दिशा में प्रयास हो रहे हैं। हर सेक्टर में युवाओं के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। आज भारत के सामने परिस्थितियां अभूतपूर्व हैं। आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। आने वाले 25 वर्ष भारत की दिशा तय करने वाले हैं। पीएम ने अपने संबोधन में कहा– आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं मानना है।

भारत को सुपरपावर ही नहीं, विश्वगुरु भी बनना चाहिए :भागवत

धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है

तिरुपति (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत आंध्र प्रदेश के तिरुपति दौरे पर हैं। भारतीय विज्ञान सम्मेलन में उद्घाटन कार्यक्रम में शुक्रवार को भागवत ने कहा- भारत का आगे बढ़ना तय है। लेकिन हमें सिर्फ सुपरपावर ही नहीं, बल्कि विश्वगुरु भी बनना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। हमारे विकास की सोच का आधार धर्म है। धर्म सिर्फमजहब नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और ब्रह्मांड के चलने का तरीका है। इससे पहले आरएसएस चीफ ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए। तिरुपति टाउनशिप के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने साहिबजादों की शहादत को किया नमन

सच्चाई और धर्म की रक्षा के लिए वीर साहिबजादों का बलिदान जन-जन तक पहुंचाएं : सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रथम गुरु गुरुनानक देव से लेकर 10वें गुरु तक सिख धर्म के सभी गुरु महाराज और उनके परिवारों ने देश की रक्षा के लिए कुर्बानियां दीं। भारतीय इतिहास में सिख वीरों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वीर बाल दिवस, 10वें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह के छोटे बेटों की असाधारण वीरता और शहादत की याद दिलाता है। साहिबजादा फतेह सिंह और जोरावर सिंह की शहादत पर हर वर्ष वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की। बहुत छोटी उम्र में साहिबजादों ने अन्याय के सामने झुकने से इनकार कर दिया और धर्म व सच्चाई की रक्षा के लिए महान साहस दिखाया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्चाई, हिम्मत और आत्मसम्मान सबसे बड़ी ताकत हैं। आज का दिन भारतीय युवाओं को वीरता, ईमानदारी और दृढ़ता के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। सच्चाई और धर्म की रक्षा के लिए वीर साहिबजादों के बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार गुरु गोविंद सिंह और सिख वीरों के बलिदान की गाथाओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत को समर्पित वीर बाल दिवस पर गुरुद्वारा हमीदिया रोड पहुंच कर माथा टेका तथा संगत को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुद्वारे में मौजूद बच्चों के साथ बैठकर कीर्तन का श्रवण किया और बच्चों को दुलार भी किया। गुरुद्वारा हमीदिया रोड के आयोजन में संपूर्ण व्यवस्थाओं का संचालन बच्चों ने किया। गुरुद्वारे में बच्चों द्वारा कीर्तन दरबार का संचालन किया गया और चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रथम गुरु नानक देव जी की उज्जैन यात्रा और उज्जैन स्थित गुरुद्वारा इमली साहब का उल्लेख करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने सदैव मानवता का मार्ग दिखाया है, उनके आदर्श हमारे लिए प्रेरणा के केंद्र रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर बालक दिवस पर पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर दशम गुरु साहिब श्री गुरु गोविंदसिंह के साहिबजादों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। संत सिपाहियों द्वारा अखाड़ा गत्तका प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि देश की आजादी में सिख वीरों ने कुर्बानियां दी हैं। वीर बाल दिवस के माध्यम से युवा पीढ़ी को धर्म और देश की रक्षा के लिए प्रेरणा मिलती है। भारत वीर साहिबजादों के बलिदान को सदैव याद रखेगा। अरेरा कॉलोनी गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष श्री पजिंदर सिंह ने ऐतिहासिक रूप से धर्म संस्कृति की रक्षा में सिख वीरों द्वारा दिए गए योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सिख धर्म गुरुओं ने मुगलों का मुकाबला करने के लिए सिख वीरों की फौज बनाई। गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की शुरुआत की। नामधारी सिखों ने गौमाता की रक्षा के लिए अंग्रेजों से संघर्ष किया। आजाद हिंद फौज की स्थापना में भी खालसा पंथ ने अहम भूमिका निभाई थी।

इस अवसर पर सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष तथा वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, जिलाध्यक्ष श्री रवीन्द्र यती, वरिष्ठ समाजसेवी सुश्री नेहा बग्गा सहित समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कोविड के बाद पॉल्यूशन भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट

● डॉक्टरों का दावा-इससे दिल की बीमारी बढ़ी, हल ढूंढ़ने में काफी देर हो चुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन चुका है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में यह दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर तत्काल और ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। डॉक्टरों ने कहा कि पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को अक्सर मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। इंग्लैंड स्थित लिवरपूल में कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ों के डॉक्टर) और भारत सरकार की कोविड-19 एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का नया फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। गौतम के पास यूके की नेशनल हेल्थ में 20

सालों से ज्यादा का अनुभव है। मनीष गौतम कहते हैं-भारत में प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण कदम पहले से मौजूद हैं, लेकिन वे अब इस रोक पाने के लिए अपने आप में काफी नहीं हैं। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है। लंदन के सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) राजय नारायण ने कहा कि वायु प्रदूषण से हृदय, सांस, न्यूरोलॉजिकल और अन्य बीमारियों के बीच संबंध को लेकर पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्रवाई में देरी से स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ बढ़ेगा। नारायण ने कहा कि सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रैश और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं।

● **प्रदूषण के छोटे–छोटे कणों से दिल की बीमारियों का खतरा–** बर्मिंघम के मिडलैंड मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट प्रोफेसर डेरेक कॉनॉली ने कहा– प्रदूषित शहरों में मौसम साफ होने पर भी लोगों में प्रदूषण के छोटे–छोटे कणों (पार्टिकुलेट मैटर) के कारण दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा रहता है। उनके मुताबिक, हृदय रोग एक धीमी प्रक्रिया है, जिसमें अचानक हालात बिगड़ने जाते हैं। पार्टिकुलेट मैटर आंखों से नहीं दिखते। इसे ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रॉल की तरह आसानी से मापा नहीं जा सकता, इसलिए लोग इसके खतरे को नहीं समझ पाते। डॉक्टरों के मुताबिक, दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27 °c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 27 दिसंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भारतीय छात्र की हत्या, यूनिवर्सिटी में गोली मारी

● कैंपस में सुरक्षा अलर्ट जारी ,आरोपी फरार ,3 दिनों में 2 भारतीयों का मर्डर

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो के पास भारतीय मूल के 20 वर्षीय छात्र शिवांक अवस्थी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह टोरंटो में 2025 की 41वीं हत्या है। यह घटना कैंपस के पास होने से छात्रों में डर का माहौल है और यूनिवर्सिटी ने भी सुरक्षा अलर्ट जारी किया। पुलिस के अनुसार, 23 दिसंबर को दोपहर में हत्या की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर शिवांक अवस्थी को गोली लगी हालत में पाया और मौके पर ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। संदिग्ध पुलिस के आने से पहले मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने लोगों से संदिग्ध से जुड़ी कोई भी जानकारी मिलने पर सूचना देने की अपील की है। टोरंटो में 3 दिन के अंदर दो भारतीयों का हत्या हुई।

कनाडा में भारतीय मूल की महिला की हत्या

इसी शहर में कुछ दिन पहले ही एक अन्य भारतीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या हुई थी। वो 30 साल की थीं और टोरंटो में रहती थीं। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया। पुलिस के अनुसार, 19 दिसंबर 2025 की रात वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक महिला के लापता होने की सूचना मिली। अगली सुबह 20 दिसंबर को पुलिस ने एक घर के अंदर महिला का शव बरामद किया। पुलिस ने मौत को हत्या मानकर जांच शुरू कर दी है।

ब्रह्मोस का नया वर्जन तैयार कर रहा अपना भारत

● रेंज 450-800 किमी तक, दिल्ली से इस्लामाबाद को निशाना बनाया जा सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 6 एयरबेस को तबाह कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई भारत की सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल अब और भी ताकतवर होने जा रही है। रक्षा सूत्रों के अनुसार ब्रह्मोस की रेंज, रफ्तार और मारक क्षमता को और बेहतर किया जा रहा है। फिलहाल इसकी रेंज करीब 300 किलोमीटर है, लेकिन नए वर्जन में इसे 450 किलोमीटर से लेकर 800 किलोमीटर तक करने पर काम चल रहा है। इन नई मिसाइलों के आने के बाद दिल्ली से ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को निशाना बनाया जा सकेगा। दिल्ली और इस्लामाबाद की हवाई दूरी 700 किलोमीटर है। वहीं, ब्रह्मोस का हल्का वर्जन भी बनाया जा रहा है। ब्रह्मोस का करीब ढाई टन वजनी खास वर्जन सुखोई एमकेआई-30 लड़ाकू विमान के नीचे (अंडरबेली) लगाने के लिए तैयार किया गया है। यह वर्जन अब प्रोजेक्ट डिजाइन बोर्ड से मंजूरी के बाद अगले चरण में पहुंच गया है। अभी ज्यादा रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल के ग्राउंड ट्रायल की तैयारी चल रही है। इस नए वर्जन के अगले तीन साल में विकसित होने की उम्मीद है।

● 2016 से चल रही तैयारी, अब 3 रेंज वाले अवतार-ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज और घातक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है। यह दागो और भूल जाओ तकनीक पर काम करती है और मैक-3 (ध्वनि की गति 332 मी./सेकेंड से तिगुनी) की रफ्तार से टारगेट पर हमला करती है। इसकी तेज गति के कारण दुश्मन के रडार इसे समय रहते पकड़ नहीं पाते। ब्रह्मोस एयरोस्पेस 2016 में मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम का सदस्य बना। इस रिजीम में 35 देश शामिल हैं। इसके बाद ही ब्रह्मोस की रेंज को 300 किमी से आगे बढ़ाने पर काम शुरू हुआ। दरअसल, नियमों के तहत गैर-सदस्य देशों को 300 किमी से ज्यादा रेंज वाली मिसाइल तकनीक नहीं दी जा सकती, इसलिए पहले ब्रह्मोस की रेंज सीमित थी। अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद ब्रह्मोस के 3 नए वर्जन पर काम तेज कर दिया गया है। इनकी रेंज 450, 600 और 800 किमी तक बढ़ाने की योजना है। ब्रह्मोस का हल्का संस्करण भी तैयार किया।

अब केरल में भी भगवा बीजेपी ने रचा इतिहास

● तिरुवनंतपुरम में पहली बार बना पार्टी का महापौर

एलडीएफ के 40 सालों के शासन का किया अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दक्षिणी राज्य केरल में इतिहास रच दिया है। शुक्रवार दोपहर को वीवी राजेश ने राजधानी तिरुवनंतपुरम के मेयर के तौर पर शपथ ली। पदभार संभालने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में उन्होंने कहा, हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे... सबको साथ लेकर चलेंगे। सभी 101 वार्डों में विकास किया जाएगा... तिरुवनंतपुरम को एक विकसित शहर में बदला जाएगा। इन चुनावों में भाजपा ने 101 में से 50 वार्डों में जीत हासिल की थी। ये केरल में किसी नगर निगम में उसकी पहली जीत है। शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में राजेश को 51 वोट मिले, जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। एलडीएफ के पी. शिवाजी को 29 वोट मिले,जबकि यूडीएफ उम्मीदवार के. एस. सबरिनाथन को 19 वोट मिले।

भाजपा के लिए नए अध्याय की शुरुआत

एलडीएफ के लगभग चार दशकों के शासन के बाद अब कॉर्पोरेशन पर भाजपा का कब्जा है। राजेश का मेयर बनना केरल की शहरी राजनीति में भाजपा के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। राज्य की राजधानी में इस जीत ने शहर के नगर निकाय पर सीपीएम के 45 साल के कंट्रोल को खत्म कर दिया। समारोह के बाद केरल बीजेपी प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने पत्रकारों से कहा, एलडीएफ ने कांग्रेस के अप्रत्यक्ष या पर्दे के पीछे से मिले समर्थन से तिरुवनंतपुरम को बर्बाद कर दिया है।

हाय सर्दी

कश्मीर में माइनस 4 डिग्री पहुंचा पारा

● दिल्ली-एनसीआर की रफ्तार थमी, उत्तर भारत में भीषण ठंड

पहाड़ों पर बर्फबारी का अलर्ट जारी, शीतलहर का प्रभाव बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रभाव जारी है। कश्मीर से लेकर दिल्ली तक सर्दी ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। कश्मीर में 40 दिनों की सबसे भीषण ठंड की अवधि चिल्ला-ए-कलां अपने चरम पर है। दिल्ली एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में 26 और 27 दिसंबर को येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें सुबह-शाम कम विजिबिलिटी और शीतलहर की संभावना जताई गई है। श्रीनगर मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान शून्य से 3 से 5 डिग्री नीचे चला गया है। डल झील और पानी के नलों में बर्फ जमने लगी है, जिससे स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

गुलमर्ग और पहलगाम में सैलानी बर्फबारी का लुत्फ उठा रहे हैं। बढ़ती ठंड और कोहरे को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

दिल्ली में आज सुबह विजिबिलिटी (दृश्यता) काफी कम रही। सफदरजंग वेधशाला के अनुसार, न्यूनतम तापमान 7 डिग्री से 9 डिग्री के बीच दर्ज किया गया है। कोहरे के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर कई उड़ानों को डायवर्ट किया गया है और 20 से अधिक ट्रेनें देरी से चल रही हैं। प्रशासन ने लोगों को हाईवे पर सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी है। हिमाचल के ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर जैसे निचले इलाकों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी है।

भारत में बच्चों के लिए सोशल-मीडिया बैन हो

● मद्रास हाईकोर्ट की लोगों को सलाह, कहा- पैरेंटल कंट्रोल मिले ● ऑस्ट्रेलिया जैसे सख्त कानून पर विचार करने का सुझाव दिया

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने कहा कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मदुरै बेंच की डिवीजन बेंच जस्टिस जी जयचंद्रन और जस्टिस के के रामकृष्णन ने यह बात नाबालिगों को ऑनलाइन पोर्नोग्राफिक कंटेंट आसानी से मिल जाने के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। याचिकाकर्ता एस विजयकुमार के वकील के पी एस पलानीवेल राजन ने ऑस्ट्रेलिया के नए कानून का हवाला दिया था। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्हें अनिवार्य रूप से पैरेंटल विंडो सर्विस देने के लिए कहा जाए।

सरकार और आयोग जागरुकता अभियान तेज करें

जब तक नया कानून नहीं बनता, तब तक सरकार और आयोग जागरुकता अभियान तेज करें और बच्चों व माता-पिता को सुरक्षित इंटरनेट इस्तेमाल के तरीके सरल भाषा में समझाएं। स्कूलों, मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए बच्चों और अभिभावकों को सुरक्षित इंटरनेट के बारे में बताया जाए। लोगों को मजबूर किया जाए कि वे पैरेंटल विंडो/पैरेंटल कंट्रोल जैसी सुविधा आसान तरीके से उपलब्ध कराएं। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नवंबर 2024 में ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट बिल पास किया था। इस कानून का मकसद बच्चों को ऑनलाइन हानिकारक कंटेंट और साइबर जोखिमों से बचाना है।

पहली बार बेटे को लेकर प्रदर्शन में पहुंचे सचिन पायलट

जयपुर में हनुमान बेनीवाल ने हटवाया मंच,एनएसयूआई का 'अरावली बचाओ' पैदल मार्च

जयपुर (एजेंसी)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया राजस्थान का जयपुर में अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ अभियान के तहत पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे पर मार्च को रोक लिया। पुलिस ने चेतावनी दी कि प्रदर्शन की अनुमति यहां तक की थी। आगे बढ़ने की कोशिश की गई तो कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद मार्च पूरा हो गया। उधर, मार्च में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने बेटे अरान पायलट के साथ शामिल हुए। यह ऐसा पहला मौका है, जब किसी राजनीतिक प्रदर्शन में बेटे को साथ लेकर पायलट आए। सचिन पायलट ने कहा- हमें इस बात पर चिंतन करना होगा कि क्या मजबूरी है। किस कारण से इस अरावली की पूरी पहाड़ियों को बीजेपी खतरे की ओर धकेल रही है। आज भी सैकड़ों जगह अरावली की पहाड़ियों पर अवैध खनन चल रहा है। बच्चा-बच्चा जानता है। आप कोर्ट में क्या हलफनामा देते हो, यह अलग बात है। आप धरातल पर जाकर देखो सैकड़ों लोग न जाने किसके दबाव में, किसके आशीर्वाद से लगातार अवैध खनन कर रहे हैं।

बिहार में कांग्रेस का 'ऑपरेशन' संगठन अभियान

पटना (एजेंसी)। देर से ही सही पर प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने दुरुस्तगी के साथ ऑपरेशन संगठन अभियान छेड़ दी है। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को चिह्नित कर पार्टी को एक मजबूत संगठन के हाथ सौंपना है। इस संगठन को बदलने का आधार बिहार विधानसभा चुनाव में भितरघात करने वाले या फिर निष्क्रिय रहे लोगों से पार्टी को मुक्त कराना है।

विनीता चौबे के नए संग्रह 'परछाईं' का लोकार्पण

भोपाल। आईसेक्ट पब्लिकेशन एवं वनमाली सृजन पीठ के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के सभागार में वरिष्ठ लेखिका विनीता चौबे के कहानी एवं कविता संग्रह 'परछाईं' का लोकार्पण साहित्यिक गरिमा और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार श्री मुकेश वर्मा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में श्री बलराम गुमास्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में नीलेश रघुवंशी, श्री निरंजन श्रोत्रिय और डॉ. अनीता सक्सेना ने अपने विचार साझा किए। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे का विशेष आत्मीय सान्निध्य रहा। मंच पर लेखिका विनीता चौबे भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ लेखिका विनीता चौबे के कविता पाठ से हुआ, जिसने श्रोताओं को संग्रह की भावभूमि से परिचित कराया। स्वागत वक्तव्य वनमाली सृजन पीठ की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रघुवंशी ने प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने रचना और रचनाकार दोनों के महत्व को रेखांकित किया।

इस दौरान अपने वक्तव्य में अनीता सक्सेना ने कविताओं के आंतरिक रस का मधुर और सरस वर्णन किया। वहीं, निरंजन श्रोत्रिय ने वर्तमान समय में परिवारिक विघटन की चर्चा करते हुए कविताओं में जीवन की मीठी और जीवंत स्मृतियों को विस्तार से बताया और कवि के आशय को स्पष्ट करते हैं। नीलेश रघुवंशी ने कहा कि विनीता चौबे घर-परिवार के बिंबों के माध्यम से स्त्री जीवन की आशाओं, अपेक्षाओं और संघर्षों का सूक्ष्म रेखांकन करती है इस अवसर पर संतोष चौबे ने कहा कि विनीता चौबे की कविताओं की सबसे बड़ी शक्ति उनकी ईमानदारी और सहजता है। वहीं मुख्य अतिथि बलराम गुमास्ता ने संग्रह की कविताओं में निहित मानवीय मूल्यों, संवेदनाओं की गहराई और जीवन के प्रति करुण दृष्टि को रेखांकित करते हुए इसे समकालीन साहित्य की एक सशक्त उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुकेश वर्मा ने कहा कि कविता का अद्वैत मानवीय संबंधों की पारस्परिकता, एकात्मता और मन को छू लेने की क्षमता में निहित होता है। यही अद्वैत भाव विनीता चौबे की कविताओं में दिखाई देता है।

कार्यक्रम के अंत में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. विजय सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. विशाखा राजुरकर ने किया।

टैंक,ड्रोन,मिसाइल और डिफेंस सिस्टम पर मुहर

रक्षा मंत्रालय इस दिन कर सकता है बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस मिनिस्ट्री की हथियार खरीद से जुड़ी शीर्ष संस्था रक्षा अधिग्रहण परिषद आज महत्वपूर्ण बैठक थी। इसमें भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए कई बड़े स्वदेशी रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने की संभावना थी।

हालांकि, विभाग की शुक्रवार को होने वाली मीटिंग शुरू हुई। जिसमें सभी लोग मौजूद नहीं थे इसलिए एजेंडे पर बात नहीं हुई। ऐसे में इमरजेंसी प्रॉक्यूरमेंट की लास्ट डेट बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी गई है। ऐसी चर्चा थी कि 80 हजार करोड़ की डिफेंस डील पर डीएसी की आज होने वाली बैठक में मुहर लग सकती है, लेकिन अब इस पर 15 जनवरी को फैसला होगा।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना और स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसमें दिल्ली-एनसीआर को हवाई हमलों से बचाने के लिए एक स्वदेशी इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम को मंजूरी की चर्चा थी।

यह सिस्टम दिल्ली और आसपास के इलाकों को एयर स्ट्राइक से सुरक्षा मुहैया कराएगा। हालांकि, इस पर शुक्रवार को फैसला नहीं हो सका। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली बैठक में सेना के लिए जरूरी सैन्य सिस्टम पर चर्चा हुई।

● सेना, नौसेना, एयरफोर्स की बढ़ेगी ताकत- अब 15 जनवरी को होने वाली रक्षा मंत्रालय की अहम मीटिंग में सेना, नौसेना, वायुसेना के लिए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर चर्चा होगी। नौसेना अपने युद्धपोतों को मिसाइल हमलों से बचाने के लिए स्वदेशी मीडियम-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम खरीदना चाहती है। इस प्रस्ताव पर मंजूरी को लेकर फैसला हो सकता है।

इसके अलावा, भारत अमेरिका से दो सी गार्डियन ड्रोन तीन साल के लिए लीज पर लेने का फैसले के आसार है। भारत पहले ही ऐसे 31 ड्रोन खरीदने का सौदा कर चुका है, जो 2028 से भारत आने शुरू हो जाएंगे।

ये ड्रोन लंबी दूरी तक निगरानी और हमला करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्रालय भारतीय वायु सेना के लिए भी अहम डील पर विचार कर रहा।

फॉर्मेसी के घायल छात्र ने तोड़ा दम

इंदौर। पितृ पर्वत मार्ग पर हुए पिछले दिनों बाइक फिसलने से फार्मेसी छात्र घायल हो गया था। घायल ने बुधवार रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सदर बाजार निवासी अनस पिता अनीश मेवाती 21 दिसंबर को पितृ पर्वत मार्ग से जा रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में अनस के सिर और अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं। गंभीर हालत में परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि मृतक अनस के बड़े भाई का 15 दिन पहले ही निकाह हुआ था। परिवार इस खुशी से उबरा भी नहीं था कि इस हादसे ने उदास कर दिया।

पंचर सुधार रहे युवक की मौत- तेजाजी नगर थाना इलाके में ट्रक के टायर में हवा भरते समय हुए ब्लास्ट होने युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान मोहम्मद नाहिद पिता कलीमुद्दीन निवासी विजय पैलेस माणिकबाग के रूप में हुई है। नाहिद नायता मुंडला स्थित आरटीओ आफिस के पास पंचर की दुकान पर काम करता था। घटना 19 दिसंबर की है। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग और दुकानदार तुरंत मौके पर पहुंचे और नाहिद को लहूलुहान हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

ढाबे पर आबकारी विभाग ने बीयर पकड़ी

इंदौर। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के क्रय-विक्रय, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दो अलग-अलग मामलों में लगभग 92 हजार रुपए की अवैध मदिरा एवं वाहन जब्त किए गए हैं। सहायक आयुक्त अभिषेक तिवारी ने बताया कि शहरी क्षेत्र में मदिरा के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई में वृत्त काछी मोहल्ला के उप निरीक्षक भगवानदास अहिरवार एवं वृत्त आंतरिक क्षेत्र क्रमांक-2 की प्रभारी जया मुजाल्दे के संयुक्त दल ने बाइक को रोका। वाहन के पीछे बंधे प्लास्टिक थैले की तलाशी लेने पर दो पेटी देशी मदिरा बरामद की गई। एक पेटी में मसाला देशी मदिरा तथा दूसरी पेटी में देशी मदिरा प्लेन पाई गई। मौके से आरोपी कमलजीत सालूजा निवासी पंचशील नगर को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार, ग्राम सिंदौड़ा (पांच बंगले) स्थित ढाबे पर कार्रवाई करते हुए 62 पाव देशी मदिरा एवं 18 कैन बोल्ट बीयर के साथ आरोपी कुलदीप पिता राजाराम चौहान को गिरफ्तार किया गया। ताप्ती परिसर स्थित गुमटी से 36 पाव देशी मदिरा मसाला जब्त की गई।

गोवा से शादी में आई महिला का पर्स चोरी

इंदौर। अपनी सहेली के बेटे की शादी में शामिल होने आई गोवा की रिटायर्ड महिला प्रोफेसर का आभूषणों से भरा पर्स चोरी हो गया। पीड़िता ने बुधवार को कनाड़िया थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, नीलिमा सावंगीकर गोवा के रिसारा एगीगेट क्षेत्र की निवासी हैं। वह समारोह में शामिल होने भंडारी रिसोर्ट पहुंची थी। नीलिमा ने कुर्सी पर बैठी और पास की खाली कुर्सी पर अपना पर्स रख दिया। इसी दौरान पीछे बैठे युवक ने मौका देखकर पर्स चुरा लिया। पर्स में सोने की चेन, नेकलेस, लॉकेट, दो जोड़ी झुमके, 14 हजार रुपए नकद और मोबाइल रखा था। बाद में पर्स रिसोर्ट की पार्किंग में मिला, लेकिन वह पूरी तरह खाली था। रिसोर्ट स्टाफ को सूचना देने के बाद महिला ने पुलिस को शिकायत की। घटना के बाद पुलिस रिसोर्ट पहुंची और वहां लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो एक युवक पर्स उठाते हुए दिखाई दिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पारिवारिक विवाद में पत्नी की हत्या, पति फरार

इंदौर। पारिवारिक विवाद के चलते शराबी पति ने सिर पर भारी वस्तु से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी और मौके से भाग निकला। बच्चों के चीखने के बाद आसपास के लोग महिला के घर पहुंचे तो घटना का पता चला। मृतका सिलाई तथा आरोपी पति कार मिस्त्री का काम करता है। घटना बुधवार देर रात एक बजे निरंजनपुर कांकड़ में हुई। लसूड़िया पुलिस के अनुसार, मृतका का नाम संगीता (40) पति रमेश चौहान है। रहवासियों की सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला किचन में घायल अवस्था में पड़ी मिली थी, उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। तत्काल पुलिस उसे लेकर एमवाय पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जांच के दौरान मृतका के बेटे आकाश ने बताया कि वह और उसका भाई काम पर गए थे। रात में जब दोनों घर लौटे तो मां सामने के कमरे में नहीं मिली। किचन में जाने पर मां घायल अवस्था में पड़ी थी और सिर से खून निकल रहा था। मां को इस हालत में देखकर वह चिल्लाया, तभी उसके पिता को घर से बाहर की ओर तेजी से भागते हुए देखा गया। बेटे का आरोप है कि उसके पिता का किसी दूसरी महिला से प्रेम संबंध था, जिसको लेकर घर में आए दिन विवाद होता रहता था। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

3 दिन से लापता ऑटो चालक का शव मिला, लापरवाही का आरोप

इंदौर। पारिवारिक विवाद के बाद घर से लापता हुए युवक का शव तीन दिन बाद पुलिस ने बरामद कर लिया है। उसका शव गांधीनगर थाना क्षेत्र के नैनोद के पास सुनसान इलाके में मिला था। राहगीरों ने इसकी सूचना गांधीनगर पुलिस को दी थी। पुलिस ने जांच के बाद मामला राजेन्द्र नगर पुलिस को सौंप दिया। राजेन्द्र नगर पुलिस के अनुसार, मृतक का नाम राजेन्द्र पिता गुलाम यादव निवासी सुखनिवास केट रोड है। वह ऑटो चालक था। शव के पास ही उसका ऑटो भी खड़ा हुआ था। जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों थानों की पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि राजेंद्र 23 दिसंबर की सुबह स्कूल के बच्चों को छोड़ने गए थे, लेकिन उसके बाद घर नहीं लौटे। तीन दिन तक खोजबीन के बाद बुधवार दोपहर उनके शव की सूचना मिली।

इंदौर के दो बड़े ग्रुप के यहां 'ईडी' के छापे, दस्तावेजों के साथ नकदी मिली

अहमदाबाद, मुंबई भी टीम पहुंची, धोखाधड़ी की जानकारी मिली

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बैंकों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में इंदौर के दो ग्रुपों पर सर्चिंग ऑपरेशन चलाया। बताया गया कि इंदौर के साथ अहमदाबाद और मुंबई में स्थित दोनों ग्रुपों के यहां दस्तावेज के साथ लाखों रुपए जब्त किए गए। 400 से 500 करोड़ के आसपास धोखाधड़ी मामले में सर्चिंग की जानकारी सामने आई है। ईडी की इंदौर सब-जोनल टीम ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इंदौर और मुंबई में यह छापेमारी की। यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के तहत की गई। जांच रुचि ग्रुप से जुड़े बैंक फ्रॉड मामलों को लेकर हो रही है, जो सीबीआई भोपाल द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है। ईडी की टीमों ने दो दिन पहले एक साथ करीब 10 ठिकानों पर सर्चिंग की, जो देर रात तक जारी रही। सीबीआई ने पहले रुचि ग्रुप से जुड़े रहे उमेश शाहरा और अन्य के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। ईडी इसमें पहले भी कार्रवाई कर चुकी है।

यहां की गई जांच

ईडी ने शाहरा के पलासिया स्थित निवास के साथ तीन कंपनियों और अन्य सहायकों के ठिकानों पर जांच की। एक टीम ने एस कुमार्स ग्रुप के मुंबई और अहमदाबाद स्थित ठिकानों पर जांच की। दोनों स्थानों पर देर रात तक जांच कर काफी दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की है। हालांकि, अभी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सीबीआई भी दर्ज कर चुकी

दोनों ग्रुपों पर 400-500 करोड़ की धोखाधड़ी में सीबीआई कुछ साल पहले केस दर्ज कर चुकी है। ईडी ने इसी आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कार्रवाई की है। बताया गया कि शाहरा और उनके सहयोगियों के ठिकानों से ईडी ने काफी दस्तावेज बरामद किए हैं, जिसके आधार पर आगे जांच की जा रही है। नकदी के साथ जेवरात भी जब्त करने की बात भी सामने आई है। जल्द ही संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई भी हो सकती है। ईडी के अनुसार, कंपनियों के प्रमोटर स्व कैलाशचंद्र शाहरा और उमेश शाहरा पर बैंकों से लिए कर्ज की रकम डायवर्ट करने और शेल कंपनियों के जरिए सायफन करने का आरोप है।

फर्जी लेटर ऑफ क्रेडिट, कैश क्रेडिट ट्रांजैक्शन और नकली बिक्री-खरीद के जरिए लोन का निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया। छापेमारी में आरोपियों और परिजनों के 20 लाख से अधिक बैंक बैलेंस फ्रीज किए गए, 23 लाख रुपए से अधिक नकदी जब्त हुई।

इंदौर से गोंदिया व अहमदाबाद की उड़ान कैंसिल, दिल्ली भी नहीं उड़ी

स्टार एयर ने 31 जनवरी तक चारों उड़ानों को निरस्त किया

इंदौर। महाराष्ट्र के गोंदिया और गुजरात के अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू करने वाली स्टार एयर ने 31 जनवरी तक इंदौर से अपनी चारों उड़ानों को निरस्त कर दिया है। कंपनी ने 31 जनवरी तक की सभी उड़ानों को अपनी वेबसाइट से भी हटा दिया है। इसके कारण जिन यात्रियों ने दिसंबर और जनवरी में इन रूट पर टिकट बुक की थी उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टार एयर ने 16 सितंबर से ही इंदौर से गोंदिया और बेंगलुरु के लिए उड़ानों की शुरुआत की थी। बाद में कंपनी ने बेंगलुरु के बजाय अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू की।

तय शेड्यूल के मुताबिक फ्लाइट शाम 5.30 बजे अहमदाबाद से इंदौर आकर 6.10 बजे गोंदिया जाती है। वहीं वापसी में रात 9 बजे गोंदिया से इंदौर आकर 9.30 बजे वापस अहमदाबाद जाती है। कंपनी शुरुआत से ही अकसर अपनी उड़ानों को निरस्त करती रही है। पिछले करीब एक सप्ताह से भी यह उड़ानें निरस्त हो रही थीं। अब कंपनी ने इन्हें 31 जनवरी तक निरस्त किए जाने की घोषणा कर दी है। कंपनी की अधिकृत वेबसाइट पर भी इंदौर से अहमदाबाद और गोंदिया के बीच 31 जनवरी तक सभी उड़ानों को हटा दिया गया है। इसके कारण पूर्व में इन उड़ानों में बुकिंग ले चुके यात्री परेशान हैं। कंपनी द्वारा सभी यात्रियों को टिकट की राशि रिफंड की जा रही है।

दिल्ली फ्लाइट कैंसिल- एयरलाइन एलायंस एयर ने दिल्ली के लिए अपनी सभी उड़ानों को 16 जनवरी तक निरस्त कर दिया है। पहले यह अवधि 22 दिसंबर तक थी, जिसे बढ़ाकर अब 16 जनवरी किया गया है। इससे पहले बुकिंग कर चुके यात्रियों को बड़ी परेशानी हो रही है। कंपनी के अनुसार उड़ानें 17 जनवरी से फिर से शुरू होंगी। एलायंस एयर की दिल्ली-इंदौर फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन (मंगल, गुरु, शनिवार) चलती थी। 26 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल के तहत यह शाम 5.30 बजे दिल्ली से रवाना होकर 7.40 बजे इंदौर आती और रात 8.05 बजे वापस दिल्ली के लिए उड़ान भरती थी।

पुलिस ने चाइनीज मांझा बेचने और खरीदने वालों को पकड़ा

एरोड्रम, परदेशीपुरा, हीरानगर पुलिस की कार्रवाई

इंदौर। पुलिस की तमाम सख्ती, आरोपियों पर जिलाबदर की कार्रवाई के बावजूद चाइनीज मांझा की खरीदी-बिक्री थमने का नाम नहीं ले रही। बुधवार को एरोड्रम, परदेशीपुरा और हीरानगर पुलिस ने वृहद पैमाने पर अभियान चलाते हुए 8 युवकों को पकड़ा। इन युवकों से बड़ी मात्रा में चाइनीज मांझा के रोल जब्त किए हैं। करीब 20 दिन पहले रालामंडल से दोस्तों के साथ लौटते समय एक नाबालिग की मांझे से गला कटने पर मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने शहर में प्रतिबंधित मांझा को लेकर खरीददार, बेचवाल की धरपकड़ का अभियान चलाया था।

इस दौरान सर्वाधिक मांझा 912 रोल खजराना पुलिस ने बाबा फरीद नगर स्थित दुकान से खरीदे थे। दुकानदार ने काटूनों में मांझा के रोल जमा कर रखे थे। एरोड्रम पुलिस ने सुविधि नगर से मयंक प्रजापत और सप्लायर जावेद मेव, वहीं रुकमणी नगर चौराहे से दीपक ठाकुर को पकड़ा गया। तीनों आरोपियों से 24 रोल चाइनीज मांझा जब्त किया गया। इसी प्रकार, थाना परदेशीपुरा ने विश्रांति चौराहे से विवेक प्रजापत, युवराज चौहान तथा हिमेश गोटवाल को पकड़कर उसके पास से 8 रोल बरामद किए थे। पूछताछ में आरोपियों ने मांझा विनय गोटवाल से खरीदना बताया था, पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। हीरानगर पुलिस ने गौरीनगर से अभिषेक पिता मानकराम यादव तथा मयंक पिता मुकेश शर्मा से 5 बंडल रोल मिले। पुलिस ने सभी आरोपियों को उस समय पकड़ा जब वे मांझे की बिक्री और सप्लाई की तैयारी में थे। आरोपियों के खिलाफ धारा 125, 223(ख), 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

नौकरी गई तो ग्राफिक्स डिजाइनर बन गया चोर, चुराए 16 लाख रु के जेवर

दुकान की रेकी के दौरान स्कूटर का फोटो खींचना काम आया

इंदौर। राऊ क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप में हुई लाखों की चोरी में चौंकाने वाला पर्दाफाश हुआ। राऊ पुलिस ने इस मामले में 'नीट' की तैयारी कर रही छात्रा और ग्राफिक डिजाइनर को गिरफ्तार किया है। आरोपित एक बड़ी आईटी कंपनी में नौकरी करता था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (एआई) के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया था। दोनों ने कई दिन रेकी कर 16 लाख के आभूषण चुराए। डीसीपी जोन-एक कृष्ण लालचंदानी के अनुसार घटना सिलिकान सिटी (राऊ) की है। रविवार रात श्री ज्वेलर्स की दुकान के ताले तोड़कर आरोपियों ने सोने-चांदी के आभूषण चुराए थे। संचालक देवेंद्र सोनी ने इस मामले की रिपोर्ट लिखवाई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बुधवार रात आरोपी प्रियांशु और उसकी दोस्त आर्या को गिरफ्तार किया और 16 लाख 17 हजार रुपए कीमत के आभूषण बरामद किए। डीसीपी के अनुसार आर्या जशपुर (छग) और प्रियांशु मंडला का रहने वाला है। दोनों छठी कक्षा से साथ पढ़े हैं और फिलहाल राऊ स्थित पलाश परिसर में रहते हैं।

चार दिन तक रैकी की- आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि, वे 'बंटी और बबली' फिल्म से प्रभावित होकर रातों रात अमीर बनने का सपना देख रहे थे। अपने सपने को पूरा करने वारदात को अंजाम दिया। इस पहले आरोपियों ने फरियादी की दुकान की 4 दिनों तक रैकी की थी। रैकी के बाद योजनाबद्ध तरीके से वारदात की। आरोपियों के पास से 16 लाख 17 हजार रुपए के सोने, चांदी, डायमंड और रोज गोल्ड के जेवरात बरामद किए हैं। ज्वेलरी दुकान से चुराए आभूषण आरोपियों ने पलाश परिसर (फेस-2) स्थित किराए के कमरे से रख दिए थे।

वाहन से मिला था क्लू- जांच के दौरान थाना राऊ की गश्त टीम के सहायक उपनिरीक्षक मधुकर विश्वकर्मा ने महत्वपूर्ण इनपुट दिया। उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर की रात रूटीन गश्त के दौरान उन्होंने संदिग्ध जुपिटर वाहन को देखा था और उसकी फोटो खींच ली थी।

जब जांच में उस वाहन का मिलान किया गया तो कड़ियां जुड़ती चली गईं। जैसे ही आरोपियों को पुलिस की सक्रियता का आभास हुआ। उन्होंने इंदौर छोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन तकनीकी जांच से पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को भोपाल से हिरासत में लिया। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों को लेकर कड़ाई से पूछताछ कर रही है। डीसीपी के अनुसार आरोपित आभूषण बेचने की कोशिश कर रहे थे। सराफा में दुकानदारों ने बच्चे समझकर दाम नहीं दिए।

नए साल के सेलिब्रेशन के लिए शहर की सभी होटलें चार दिन पहले बुक

थाली 25 प्रतिशत महंगी, 1500 से 10 हजार तक भाव पहुंचे

इंदौर। वर्ष 2025 के अंतिम दिन शहर में सेलिब्रेशन मनाकर नववर्ष का स्वागत किया जाएगा। बीत रहे वर्ष की विदाई वेला को यादगार बनाने कई लोग होटल, ढाबों, रिसोर्ट, पर्यटन स्थलों की मदद लेंगे। सेलिब्रेशन को लेकर सभी होटलें चार दिन पहले ही बुक हो चुकी है। किसी भी होटल में जगह नहीं है, इसके बावजूद लोग बुकिंग कराने में जुटे हुए हैं। होटलों में खाने की थाली की कीमत में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। प्रसिद्ध और बड़ी होटलों में खाने की थाली का दाम 1500 से 10 हजार रुपए तक है। इस राशि में इंवेट्स भी शामिल है। यही स्थिति नववर्ष की भी है। इस दिन के लिए भी सभी 300 होटलें, एक हजार के आसपास आउटलेट में जगह नहीं है।

कई होटलों के बाहर नो बुकिंग के बोर्ड लगा दिए गए हैं। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सुरी ने बताया कि हर साल होटलों की यही स्थिति रहती है। होटलों में नशा करने वालों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। होटलें रात 1 बजे तक बंद कर दी जाएगी। प्रवेश केवल रात 11.30 बजे तक देंगे। सेलिब्रेशन के लिए होटलों

में आकर्षक सजावट की जा रही है। कुछ होटलों में लोगों की मनपसंद का मीनू भी तैयार रहेगा। कपल की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। परिवार के प्रवेश पर विशेष फोकस करेंगे।

इस बार विशेष संयोग

खजराना मंदिर में आम दिनों में हजारों भक्त भगवान गणेश की आराधना करने जुटते हैं। प्रत्येक बुधवार को हजारों भक्त आते हैं। इस बार 31 दिसम्बर को बुधवार होने से विशेष संयोग बन रहा है। इसके चलते भीड़ भी अपेक्षाकृत काफी रहेगी। भक्तों को सुबह 6 से रात 11 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा। मंदिर परिसर में दर्शन पूजन के लिए बेरीकेडिंग की जाएगी, ताकि भक्तगण कतार में आकर व्यवस्था को सुचारू संचालन में मदद कर सकें। मंदिर के पुजारी अशोक भट्ट ने बताया की ट्रैफिक डायवर्ट के लिए एक-दो दिन में पुलिस के साथ प्रशासन और मंदिर समिति की बैठक आयोजित होगी। यही स्थिति रणजीत हनुमान मंदिर की भी रहेगी।

चिड़ियाघर, पर्यटन स्थल जाएंगे

शहर के लोग 31 दिसम्बर और एक जनवरी को अपने-अपने हिसाब से सेलिब्रेशन मनाएंगे। जो लोग मंदिर, होटल, रिसोर्ट नहीं जाएंगे, वे जिले के पर्यटन स्थल और परिवार के साथ चिड़ियाघर का सैर सपाटा करेंगे। चिड़ियाघर में भीड़ उमड़ने पर दूसरे गेट से प्रवेश दिया जाएगा। पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात करेंगे।

युवती की फांसी में लिव-इन पार्टनर पकड़ाया

इंदौर। एक सप्ताह पहले उज्जैन से पढ़ने आई युवती ने इंदौर के खजराना क्षेत्र की साईकृपा कॉलोनी में बुधवार को फांसी लगा ली थी। वह अपने दोस्त के घर पर थी। दोस्त कुछ देर के लिए बाजार गया था, जब वह लौटकर आया तो युवती फंदे पर लटका मिली। इसके बाद दोस्त ने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और युवती के दोस्त को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार रात करीब 11. 30 बजे एमवाय अस्पताल से सूचना मिली थी कि जागृति कर्मा को उसका दोस्त हर्ष पिता रोहित मिश्रा अस्पताल लेकर पहुंचा है। हर्ष ने डॉक्टरों को बताया था कि युवती जाग्रति को रात करीब 9 बजे देखा था। हर्ष ने प्रारंभिक पूछताछ में हर्ष ने बताया कि घटना से पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। हालांकि आत्महत्या के कारणों को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।

फर्जी ई-चालान की एपीके फाइल ने बैंक अंकाउट खाली कर दिया

इंदौर में दो लोगों से साइबर ठगी, दर्ज की एफआईआर

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने ई-चालान की एपीके फाइल के जरिए बैंक अकाउंट खाली करने के मामले में साइबर ठगी की पहली एफआईआर दर्ज की। पुलिस के अनुसार पीड़ित के वॉट्सएप पर ई-चालान का मैसेज आया था, जिसमें एपीके फाइल संलग्न थी। जैसे ही यह फाइल खोली, उसका बैंक अकाउंट कुछ ही मिनटों में खाली हो गया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि 37 वर्षीय विक्की क्षेत्री, निवासी होल्कर विला दशहरा मैदान रोड की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

विक्की पेशे से ड्राइवर है। 10 नवंबर को उसके वॉट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से ई-चालान की एपीके फाइल आई थी। फाइल खोलते ही पहले 70 हजार, फिर 50 हजार और बाद में 3 हजार रुपए उसके खाते से निकल गए। कुल 1 लाख 23 हजार रुपए की ठगी हुई। इसके बाद पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की, जांच के बाद क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज कराई। इसी थाना क्षेत्र में अरविंद कुमार शर्मा के साथ 3 लाख 68 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। 21 नवंबर को उन्हें अनसूइया नाम की महिला ने कॉल कर रेटिंग टास्क का ऑफर दिया।

शुरुआती तीन टास्क पूरे करने पर 150 रुपए मिले। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया, जहां अधिक लाभ का लालच देकर लगातार ट्रांजेक्शन करवाए गए। बाद में क्रेडिट स्कोर कम बताकर 3 लाख 68 हजार रुपए की ठगी कर ली गई। भंवरकुआं थाना पुलिस ने जितेंद्र परमार निवासी पालदा चौक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। 19 नवंबर को उन्हें कॉल कर खुद को एक्सिस बैंक अधिकारी बताया गया और क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर वॉट्सएप लिंक भेजी गई। लिंक खोलते ही आरोपियों ने उनके खाते से 1 लाख 28 हजार रुपए की ऑनलाइन शॉपिंग कर ली। बाणगंगा थाना क्षेत्र में भी बिजनेस लोन दिलाने के नाम पर 5 लाख रुपए की ठगी हुई है। भवानी नगर निवासी अखिलेश ठाकरे की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों ने खुद को एचडीएफसी बैंक मैनेजर बताकर लोन दिलाने का झांसा दिया और 5 लाख रुपए हड़प लिए।

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ तलवाली चांदा के पास बुलडोजर से कार्रवाई की

गुलाब बाग कॉलोनी में जी+1 भवन ध्वस्त, दुकानें हटाने के निर्देश

इंदौर। शहर को अवैध निर्माणों से मुक्त करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव के निर्देशानुसार झोन क्रमांक 22 के अंतर्गत तलवाली चंदा एवं गुलाब बाग कॉलोनी क्षेत्र में रिमूवल अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया है। अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया ने बताया कि झोन क्रमांक 22, वार्ड क्रमांक 31 अंतर्गत गुलाब बाग कॉलोनी में लगभग 1000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में बने जी प्लस वन अवैध निर्माण को निगम के रिमूवल दल द्वारा ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पर्याप्त पुलिस व निगम अमला मौजूद रहा, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

इसी क्रम में झोन क्रमांक 22, वार्ड क्रमांक 35 अंतर्गत तलवाली चंदा तालाब के पास अवैध रूप से निर्मित दुकानों पर भी निगम का शिकंजा कसा गया। रिमूवल कार्रवाई के दौरान संबंधित भवन मालिक ने स्वयं अवैध निर्माण हटाने के लिए 5 दिवस का समय मांगा। निगम प्रशासन ने सशर्त समय प्रदान करते हुए स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में निर्माण नहीं हटाने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध निर्माणों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा और किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

अपने गिरेबां में भी झांकें

पड़ोसी बांग्लादेश में जारी अराजकता के बीच एक और हिंदू युवक की निर्मम हत्या के बाद भारत में उसकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है, लेकिन इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से भुनाने में लगी भाजपा पर विपक्षी दलों ने यहकर तगड़ा प्रहार किया है कि वो पहले अपने गिरेबां में तो झांकें। अगर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है तो खुद भारत में अल्पसंख्यकों के साथ क्या हो रहा है? दो दिन पहले विश्व हिंदू परिषद ने देश भर में बांग्लादेश ने एक हिंदू युवक दीपूचंद्र दास की हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन किए थे। इस दौरान कोलकाता स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के ऑफिस पर प्रदर्शन के दौरान वहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं। इस प्रदर्शन में बांग्लादेश सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की थी। तभी वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं सांसद दिग्विजयसिंह ने कहा था कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत में अल्पसंख्यकों के दमन की प्रतिक्रिया है। हालांकि दिग्विजयसिंह के बयान पर बहुत से लोगों ने नाराजी भी जताई, लेकिन उन्होंने जो कहा उसकी पुष्टि दो ही दिन में हो गई। क्रिसमस पर ईसाइयों पर हमले हुए और ओडिशा में एक युवक को बांग्लादेशी होने के शक में पीट-पीट कर मार डाला गया। जबकि वह बिहार का निकला। इस हत्या का जिम्मेदार कौन है? उधर दिल्ली में ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने बांग्लादेश में जारी अशांति और हिंसा के संदर्भ में कहा कि किसी भी तरह की हत्या गलत है और इस्लाम किसी की जान लेने की इजाजत नहीं देता, लेकिन बांग्लादेश की घटनाओं को 'नरसंहार' कहना गलत और दोहरे मापदंड का उदाहरण है। मौलाना रशीदी ने सवाल उठाते हुए कहा, अगर बांग्लादेश में हो रही हत्याओं को नरसंहार कहा जा रहा है, तो फिर गाजा में जो हुआ, उसे क्या कहा जाएगा? भारत के संदर्भ में उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश में 'जय श्री राम' के नारे लगाकर 52 लोगों की मॉब लिंचिंग हुई, लेकिन उसे भी नरसंहार नहीं कहा गया। जब 50 लोगों की हत्या को आप नरसंहार नहीं मानते, तो फिर यह दोहरा रवैया और दोहरी मानसिकता क्यों? यही नहीं, 25 दिसंबर को क्रिसमस पर्व पर कुछ ईसाई चर्चों और त्यौहार मना रहे ईसाइयों पर बजरंग दल द्वारा बेखौफ हमले इसी बात की पुष्टि करते हैं कि भारत में भी कुछ तत्व अल्पसंख्यकों के साथ वही कर रहे हैं, जो आज बांग्लादेश में हो रहा है। हालांकि यह भी सही है भारत में ईसाई पादरी बड़े पैमाने पर धर्मांतरण में लगे हैं और यह धर्मांतरण मुख्यतः प्रलोभन और लोगों को गुमराह करने पर आधारित है, जिसका विरोध किया जाना चाहिए। लेकिन चर्च पर हमले और त्यौहार मना रहे लोगों पर हमला कतई सहन नहीं किया जाना चाहिए फिर सरकार चाहे जिस पार्टी की हो। दुख की बात यह है कि ऐसी घटनाएं भाजपा शासित राज्यों में ही हो रही है और ज्यादातर मामलों में पुलिस मूक दर्शक ही बनी रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अब हर जगह भीड़तंत्र को हवा दी जा रही है। भीड़ चाहे जिसे अपराधी मानकर सजा ए मौत दे रही है। यह नैसर्गिक न्याय के भी विरुद्ध है, क्योंकि इसमें आरोपी को अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिलता। ऐसे में मामलों में किसी को जिम्मेदार ठहराना भी मुश्किल है। इस भीड़तंत्र को हर हाल में रोकना जरूरी है। सभी सरकारों और प्रशासन की यह संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वो अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और कानून के हिसाब से राज चलाएं ताकि सभी नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास कायम रहे।

ग्रामसभा तय करे कि क्या बचेगा और क्या नहीं

नजरिया

राजकुमार सिन्हा
लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

वर्तमान में 10 राज्यों-आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना में 'पांचवीं अनुसूची' क्षेत्र घोषित किए गए हैं। 'पेसा अधिनियम, 1996' 'अनुसूचित क्षेत्रों' में ग्रामसभाओं (गांव की विधानसभाओं) को स्वशासन की शक्तियां प्रदान करता है। इसके तहत ग्रामसभाएं स्थानीय मामलों पर निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं, जिसमें शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। कई आदिवासी बहुल क्षेत्रों, जैसे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में, महिलाओं ने इस कानूनी प्रावधान का लाभ उठाया है। उन्होंने शराब के सेवन के कारण होने वाली घरेलू हिंसा और आर्थिक बर्बादी से तंग आकर एकजुट होकर ग्रामसभाओं में शराबबंदी का प्रस्ताव रखा और उसे पारित करवाया।

देश की 10.4 करोड़ यानि 8.6 फीसदी आदिवासी आबादी के लिए 'पेसा' कानून उनकी स्वभाविक स्वायत्तता को बरकरार रखने की संवैधानिक पहल माना जाता है। बड़े, क्रांतिकारी बदलावों को छोड़ भी दें तो रोजमर्रा के नशे-पत्ते भी 'पेसा' की मदद से सुलझाए जा सकते हैं। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में दो-दिवसीय 'पेसा महोत्सव' 23 एवं 24 दिसंबर को आयोजित किया। गौरतलब है कि 24 दिसंबर 1996 को भारत की संसद ने संविधान की 'पांचवीं अनुसूची' के क्षेत्रों में 'स्व-शासन' की स्थापना के लिए 'पंचायतों के प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996' यानि 'पेसा' पारित किया था। 'अनुसूचित क्षेत्र' राष्ट्रपति द्वारा घोषित किए जाते हैं जिनमें संविधान के अनुच्छेद 244(1) और 'पांचवीं अनुसूची' के मुताबिक स्वायत्त सरकार संबंधी प्रावधान रहते हैं।

वर्तमान में 10 राज्यों-आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना में 'पांचवीं अनुसूची' क्षेत्र घोषित किए गए हैं। 'पेसा अधिनियम, 1996' 'अनुसूचित क्षेत्रों' में ग्रामसभाओं (गांव की विधानसभाओं) को स्वशासन की शक्तियां प्रदान करता है। इसके तहत ग्रामसभाएं स्थानीय मामलों पर निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं, जिसमें शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। कई आदिवासी बहुल क्षेत्रों, जैसे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में, महिलाओं ने इस कानूनी प्रावधान का लाभ उठाया है। उन्होंने शराब के सेवन के कारण होने वाली घरेलू हिंसा और आर्थिक बर्बादी से तंग आकर एकजुट होकर ग्रामसभाओं में शराबबंदी का प्रस्ताव रखा और उसे पारित करवाया।

इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश की कई ग्रामसभाओं ने 'पेसा' के तहत शराब बिक्री के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए हैं और अवैध ठेकों का विरोध किया है। इससे शराब की उपलब्धता में कमी, घरेलू हिंसा और कर्ज घटा है एवं महिलाओं और बुजुर्गों की सामाजिक भूमिका बढ़ी है। यह दिखाता है कि ग्रामसभा केवल विकास नहीं, सामाजिक सुधार का मंच भी है। 'पेसा अधिनियम' की कंडिका - 4(ड)(i) में पंचायतों और ग्रामसभा को किसी मादक पदार्थ की बिक्री और उपभोग पर प्रतिबंध लागू करने या विनियमित करने या प्रतिबंधित करने की शक्ति दी गई है। 'मध्यप्रदेश पेसा नियम, 2022' के अध्याय - 7 की धारा (23)(1) में भी कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा 'अनुसूचित क्षेत्रों' में मादक पदार्थों के संबंध में निषेधाज्ञा जारी

करने पर, ग्रामसभा अपनी सीमाओं के भीतर इसे लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। दूसरे, 'मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915' की धारा - 16 के आधीन मादक पदार्थों की व्यक्तिगत आधिपत्य की सीमा को कम कर सकेगी।

ब्रिटिश शासन में शराब पर लाइसेंस, कर और ठेकेदारी व्यवस्था लागू हुई थी और परंपरागत उत्पादन को 'अवैध' घोषित किया गया था। मंडला एक आदिवासी जिला है और यहां 'पेसा' कानून लागू है, जिसके तहत ग्रामसभाओं को शराब के ठेकों पर नियंत्रण का अधिकार है। कई ग्राम पंचायतों ने इस कानून का उपयोग करके शराबबंदी के प्रस्ताव पारित किए हैं और प्रशासन से इन्हें लागू करने की मांग की है। मंडला जिले में महिलाओं द्वारा चलाया गया शराब-बंदी अभियान कई स्थानीय स्तरों पर सफल रहा है, जिससे कई गांवों में शराब की बिक्री और सेवन पूरी तरह बंद हो गया है। हालांकि, यह सफलता पूरे जिले में एक समान नहीं है और व्यापक स्तर पर पूर्ण शराबबंदी के लिए प्रयास अभी भी जारी हैं।

मंडला के महुआटोला (ग्राम पंचायत- सतपहरी, विकासखंड-निवास) जैसे कई गांवों में महिलाओं की पहल ने तस्वीर बदल दी है। इन गांवों को अब शराब मुक्त घोषित कर दिया गया है, जहां शराब बेचना या पीना पूरी तरह से दंडनीय है। यहां घरेलू कलह, विवाद और महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। मंडला जिले के मोहगांव विकास खंड के कौआडोंगरी ग्राम पंचायत के सकरी और खैरी रैयत जैसे गांवों में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से शराब बनाने या पीने वालों पर भारी जुर्माना (25,000 रूपए तक) लगाने का फैसला किया है। इसी वर्ष जनपद पंचायत मोहगांव की 38 और घुघरी की 46 पंचायतों सहित कुल 84 पंचायतों ने सर्वसम्मति से शराबबंदी के प्रस्ताव पारित किए हैं। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि गांवों में शराब के सेवन और विक्रय से सामाजिक जीवन पर नकारात्मक असर पड़ रहा है, जिससे विशेष रूप से युवाओं और बच्चों का भविष्य खतरे में है।

महिलाएं अक्सर जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में हिस्सा लेती हैं और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रशासन व आबकारी विभाग से सहयोग की मांग करती हैं। कुछ दिन पहले मंडला जिले के भपसा गांव की महिलाएं मंगलवार की जनसुनवाई में बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचीं। उन्होंने गांव में बढ़ रही अवैध शराब और गांजा बिक्री पर रोक लगाने की मांग करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन दिया। महिलाओं ने शिकायत की कि भपसा गांव में कई जगहों पर अवैध रूप से शराब का निर्माण और बिक्री होती है। इसके कारण गांव का माहौल लगातार खराब हो रहा है। उन्होंने बताया कि नशाखोरी के चलते गलियों और मोहल्लों में आए दिन विवाद, मारपीट और गाली-गलौज जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं और स्थिति अब नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। महिलाओं की लगातार शिकायतों पर आबकारी टीम और पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की, जिससे कई अवैध दुकानें बंद हुईं।

आदिवासी समाज विशेषकर गोंड और बैगा समुदाय में महुआ पारंपरिक रूप से अनुष्ठानों, पर्वों, सामुदायिक मेलों का हिस्सा रहा है। अधिकांश आदिवासी समाजों में शराब मनोरंजन या पलायन का साधन नहीं, बल्कि अनुष्ठान और सामुदायिक जीवन का अंग रही है। महुआ से बनी शराब देवी-देवताओं को अर्पित की जाती है जो पूर्वजों की स्मृति से जुड़ी होती है और प्रकृति के साथ संबंध का प्रतीक होती है। यहां शराब पवित्रता और सहभागिता से जुड़ी है, न कि लत से। गोंड, बैगा, भील, कोरकू जैसे समुदायों में जन्म, विवाह, फसल कटाई और मृत्यु आदि के अवसरों पर सीमित मात्रा में शराब का प्रयोग होता है। 'पेसा' आधारित शराबबंदी का अर्थ यह है कि यह संस्कृति का निषेध नहीं, बल्कि संस्कृति की रक्षा है। महिलाओं के नेतृत्व में हुआ आंदोलन कहता है ड्ड 'महुआ हमारी परंपरा है, ठेका हमारी तबाही।' यह शराबबंदी उपभोग की मात्रा और संदर्भ को नियंत्रित करती है, न कि सांस्कृतिक पहचान को मिटाती है।

कानून बाहर से नहीं, समाज के भीतर से आता है। मंडला की शराबबंदी राज्य के आबकारी राजस्व मॉडल को चुनौती देती है। आबकारी विभाग राजस्व कानून से चलता है और 'पेसा कानून' को परामर्शात्मक मान लिया गया है। ग्रामसभा के निर्णयों को अक्सर 'सामाजिक अपील' कहकर खारिज कर दिया जाता है। मंडला की शराबबंदी एक नीति नहीं, एक विमर्श है। यह विमर्श कहता है कि अगर नशे से समाज टूट रहा हो, तो ग्रामसभा को तय करने दो कि क्या बचेगा और क्या नहीं। मंडला यह साबित करता है कि जब अधिकार, भरोसा और सामूहिक चेतना मिलते हैं, तो 'पेसा' कानून नहीं, जन-संस्कृति बन जाता है। अगर ग्रामसभा को अधिकार और भरोसा मिले, तो 'पेसा' कागज से उतरकर ज़मीन पर आ सकता है।

भ्रांति का इकोसिस्टम सबके लिए विनाशकारी

संघ की अपील

अवधेश कुमार
लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कई बार हमारे देश में विवाद ऐसे होते हैं जो होने नहीं चाहिए।राष्ट्रीय स्वयं शसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसाबोले का यह वक्तव्य कि मुस्लिम भाई भी पर्यावरण की दृष्टि से नदी की पूजा करें, सूर्य नमस्कार करें तो उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा भी ऐसा ही है। पर्यावरण संरक्षित करने की दृष्टि से भारतीय संस्कृति में प्रकृति के हर सृजन की उपासना का उदाहरण देने के पीछे मूल उद्देश्य यही है कि नदी, धरती,वृक्ष की हम पूजा करते हैं इसलिए उसकी रक्षा का भाव अपने आप पैदा होता है। इसे स्वाभाविक और सही अर्थों में लिया जाना चाहिए। होसाबोले ने यह नहीं कहा कि हिंदू कर्मकांडों की तरह मुसलमान भी पूजा करें। वे अपने अनुसार कर सकते हैं और करना चाहिए। उनकी पंक्ति देखिए- पर्यावरण और स्वच्छता की दृष्टि से अगर हम नदी की पूजा करते हैं, स्वास्थ्य लाभ के लिए सूर्य नमस्कार करते हैं, यह सब मुस्लिम समाज के लोग करेंगे तो उनका क्या बिगड़ जाएगा। यह सच है कहीं भी ऐसा करने वाले को इफ्तार या मस्जिद में जाने से नहीं रोका जाएगा। हमारे यहां एक बहुत बड़ा वर्ग हमेशा किसी सकारात्मक और लोक हितकारी वक्तव्य को भी गलत मोड़ देकर नकारात्मक और विवादास्पद बनाने में महारत हासिल कर चुका है। उनकी यही भूमिका है और रहेगी। आप इस समय राजधानी दिल्ली के शहर में प्रदूषण को लेकर छाती पीट रहे हैं पर कोई स्थाई समाधान की दृष्टि से आचरण की बात करें तो उसे सांप्रदायिक घोषित कर देंगे।

यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष है। संघ शताब्दी वर्ष में राजनीतिक और अन्य शोरों से परे भारत और संपूर्ण विश्व की दृष्टि से आवश्यक पांच बिंदुओं पर समाज के बीच जा रहा है। ये बिंदु हैं,कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी की भावना, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और सामाजिक समरसता। सामाजिक समरसता की दृष्टि से हिंदू सम्मेलन हर राज्य में अलग-अलग तिथियों को है। उत्तर प्रदेश में हिन्दू सम्मेलन 14 दिसंबर से 11 जनवरी तक आयोजित हो रहे हैं। होसाबोले गोरखपुर में आयोजित ऐसे ही हिंदू सम्मेलन में बोल रहे थे। किसी तरह का सम्मेलन हो तो उनमें ये पांचों बिंदु आ ही जाते हैं। वस्तुतः ये पांचों विषय एक-दूसरे से जुड़े हैं। सामाजिक समरसता का अर्थ है कि सब एक दूसरे में घुल मिलकर जिएं। यानी हिंदू समाज में जातीय भेद समाप्त हो, पूरा समाज हिंदू और भारतीय के रूप में स्वयं को देखे तथा व्यवहार करे। इसी तरह हिंदू और मुसलमान के बीच भी परस्पर विश्वास और सहकार का संबंध बना रहे। इसी से देश सशक्त होगा,

समुन्नत होगा और इसकी एकता अखंडता सुरक्षित रह सकती है। यह सच है कि भारतीय संस्कृति से उत्पन्न योग और आयुर्वेद आदि में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई किसी भी धर्म-वर्ग का भेद नहीं होता। योग, प्राणायाम आदि को अपनाकर विश्व में भारी संख्या में मुसलमान और ईसाई भी स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। वस्तुत- हिंदू धर्म ऐसा है जिसमें किसी प्रकार के भेदभाव की गुंजाइश नहीं और सबके प्रति समभाव से सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। इन्हें किसी धर्म विशेष का मान अस्वीकार करना दुर्भाग्यपूर्ण होगा। भारत की समस्या है कि यहां मुस्लिम समुदाय का बड़ा तबका योग और प्राणायाम को भी मजहबी बताकर उसके विरुद्ध आचरण कर रहा है। कट्टरपंथियों ने इस अतार्किक भावना को पैदा और गहरा किया है। होसाबोले ने इसी बिंदु को रेखांकित किया। सऊदी अरब , संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों ने स्वयं जमीन देकर मंदिर बनवाये और रूस जैसे देश में चर्च ने मंदिर के लिए जमीन दिया। क्या ऐसा करने से वे अपने मजहब के विरुद्ध हो गए? भेद पैदा करने वालों का निहित स्वार्थ था और है चाहे अंग्रेज हों या कोई और।

हालांकि संघ और स्वयं होसाबोले के वक्तव्य को देखें तो वे कह रहे हैं कि सब कुछ का दायित्व हिंदुओं पर ही है क्योंकि हिंदुओं के जागृत होने से विश्व जागृत होगा तथा मानव-मानव के बीच परस्पर विश्वास की स्थिति बनेगी। इसमें क्या गलत है? हमारे धर्म शास्त्रों से लेकर ऋषि मुनियों मनीषियों ने एक हिंदू के जीवन का लक्ष्य ही ब्रह्मांड के साथ एकाकार या विश्व कल्याण बताया है। वस्तुतः हिंदू होने का अर्थ हिंदू के समान आचरण है। अगर हमको विश्व गुरु बनना है या दुनिया को रास्ता दिखाना है तो पहले हमें ठीक होना पड़ेगा। हमारा आचरण ठीक होगा तभी हम दुनिया को रास्ता दिखा सकेंगे या दुनिया हमसे सीख सकती है। इसलिए हमारे धर्म में जिसे पाप कहा गया है स्वयं उनसे बचें। आप सोचिए, भारत में कौन संगठन इस तरह पूरे समाज को व्यापक दृष्टि से व्यवहार का सिद्धांत दे रहा है? दिन रात संघ की आलोचना करने वाले जाति, मजहब, पंथ, क्षेत्र भाषा-इसी के आधार पर भेद पैदा कर अपना निहित स्वार्थ साधने की कुचेष्टा में लगे हुए हैं। संघ समग्र रूप में हिंदू समाज सोच और आचरण में व्यापकता लाये इसका सुनियोजित अभियान चला रहा है तो इससे अन्यों को सीख लेनी चाहिए और कम से कम ऐसे मामलों में साथ आना चाहिए। आप थोड़ा निष्पक्ष होकर होसाबोले के साथ संघ के अन्य अधिकारियों के वक्तव्य पर दृष्टि डालिए तो साफ दिखेगा कि वह सबसे अधिक हिंदुओं के व्यवहार में बदलाव की बात करते हैं और मुसलमान या इसाई की चर्चा प्रसंग के अनुसार ही की जाती है। उदाहरण के लिए हम देखते हैं कि आज छोटे-छोटे बच्चे भी जन्म तिथि पर हैप्पी बर्थडे बोलते हैं लेकिन जन्मदिवस की शुभकामना शब्द का प्रयोग नहीं करते। संघ ध्यान दिला रहा है कि हमारी संस्कृति में दीपक जलाकर प्रकाश फैलाने का आचरण है और इसी से बच्चे सीख सकते हैं। हम मोमबत्ती जलाकर बुझाकर उनको कैसी शिक्षा दे रहे हैं ? इसी तरह हिंदू के नाते हमारी सोच ऐसी है कि बच्चे अगर अंग्रेजी बोलते हैं तो हम प्रसन्न होते हैं लेकिन संस्कृत का एक श्लोक नहीं बोल पाने पर हमें पीड़ा नहीं होती। होना विपरीत चाहिए। किसी भाषा को जानने, सीखने में समस्या नहीं है लेकिन वही सम्मान का विषय हो जाए और जो हमारी अपनी भाषा हैं, जिसमें ज्ञान के प्रचुर भंडार हैं और हमारे आचरण के सुचिंतित परीक्षित आधारस्तंभ हैं उसे हीन और छोटा माना जाए तो ऐसा समाज कभी भी दुनिया के लिए प्रेरणादायी नहीं बन सकता।

समय की विकृतियों ने हमारे आचरण पर ऐसा कुप्रभाव डाला है कि हम अपने बच्चों को भगवद्गीता या हनुमान चालीसा तक पढ़ने के लिए प्रेरित करने नहीं करते जबकि यह किया जाना चाहिए। इसी में एक बिंदु सामाजिक एकता का है। हिंदू सम्मेलन हो या परिवार प्रबोधन या फिर युवा सम्मेलन सबमें यह विषय रखा जा रहा है कि हम काम को छोटा या बड़ा न मानें। गांव की सफाई करने वाला अछूत नहीं, बल्कि समाज की सेवा करने वाला है और सेवा करने वाला कभी अछूत नहीं हो सकता। जरा सोचिए, अगर कोई संगठन समाज के अंदर कार्य, जाति, परिवार आदि को छोटा बड़ा मानने के घटक भाव से बाहर लाने का अभियान चला रहा है और भारत राष्ट्र के नाते सोचता है तो उसमें मुसलमानों, ईसाइयों या किसी अन्य समुदाय की आचरण की चर्चा नहीं होगी? होगी ही।

कुल मिलाकर कहने का तात्पर्य कि ऐसे विवादों में स्वयं सच्चाई जानने की कोशिश करनी चाहिए। अब तो वक्तव्य के अधिकतर अंश आपको किसी ने किसी साइट पर या कई साइटों को मिलाकर मिल जाते हैं। उनके आधार पर अपना मत बनाइए और फिर व्यवहार करिए। आपको स्पष्ट हो जाएगा कि किस तरह एक सशक्त इकोसिस्टम के माध्यम से लोगों के बीच झूठ और भ्रांतियां फैलायीं जाती रहीं हैं। इस तरह का व्यवहार किसी व्यक्ति या समूह के शायद निजी संकुचित स्वार्थ की पूर्ति का कुछ क्षण के लिए कारण बन सकता है पर देश के लिए ,हमारे आपके लिए यह पूरी तरह विनाशकारी है।

संवेदना की वर्तमान वेदना

कटाक्ष

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं।

घर में कोई बड़ा बूढ़ा मरता है तो उसकी पत्नी और बच्चे ही नहीं, पड़ोसी भी खुश होते हैं। अच्छा हुआ निबट गया। उम्र भी तो हो गई थी, कितने दिनों से परेशान था बेचारा। न उठ पाता था न बैठ पाता था। छह महीने से बिस्तर पर पड़ा था। पत्नी कर करके थक गई थी। बच्चे अलग परेशान थे। चिता को आग लगते ही सुधीजन चैन की सांस लेते हैं,ये कहकर कि अच्छा हुआ सुधर गई। मतलब जब तक सबके साथ था उसकी किस्मत बिगड़ी हुई थी। मगर इतनी सीधी सी बात भी कहे कौन? सब चुप रहते हैं। यों बारहवीं तक परिजनों को भी मुंह सामने रोना धोना पड़ता है पर मेहमानों के विदा होते ही उनकी खुशी और संपन्नता छिपाये नहीं छिपती। दो चार दिन बाद जब लोग उनसे मिलते हैं तो पहली बार में पहचान ही नहीं पाते। ऐसे कई प्रसंग मेरे ज़हन में हैं।

मेरे माता-पिता बूढ़े नहीं थे पर एक दुर्घटना में दुर्योग से जब एक साथ चले गए तो कुछ ने कहा-बड़े भाग्यवान थे, एक साथ चले गए।पीछे से एक दूसरे का दुख नहीं देखा। उनके लिए माता-पिता की आकस्मिक मृत्यु शोक का नहीं संतोष का विषय थी। कुछ रिश्तेदारों के लिए हर्ष का विषय,परिजन के लिए ही नहीं, कुछ और निकटतम रिश्तेदार इसमें शामिल थे। जिन्हें मेरे माता पिता के होते उनकी वसीयत से कोई उम्मीद नहीं थी , उनकी अनायास मृत्यु से उनकी तो जैसे लाटरी निकल गई। मैं जब तक घर में शव लेकर आता तब तक वे मेरे माता-पिता के नाम दर्ज सम्पत्ति की सूची बना चुके थे। फिर मेरे मां बाप की अंत्येष्टि उनके लिए निहायत ही मामूली और रस्मी काम था।

मेरे पहुंचने पर उन्होंने यही कहा-जो हुआ सो हुआ, अब तुम तो घर गृहस्थी पर ध्यान दो। तुम्हारे भी छोटे-छोटे बच्चे हैं। किस्मत से बचे हैं।ये काम निबट जाये तो कहां क्या पड़ा है ?क्या लेन देन है पहली फुरसत में देखना। उनकी शक्लें देखकर ऐसा लग रहा था-जैसे कह रहे हों-तिजोरी देखो कितना माल है, प्रोपर्टी कहां कितनी हैं? सबको सूचना दे दो, बंटवारा उठावनी के बाद कर लेंगे।फिर बात-बात पर सब मेरा खयाल रखने लगे जैसे मेरी पीड़ा उनकी अपनी पीड़ा हो। गर्मियों के दिन थे सड़कां पर तारकोल पिघला पड़ा था। सब चिंता करने लगे कि हंड़िया लेकर नंगे पांव ये कैसे चलेगा? तो सबने एक राय होकर मुझे जबरदस्ती नई हवाई चप्पल पहनाई और खुद मेरी जगह नंगे पांव चले। तमाम तरह की शास्त्रीय बातें कहीं-जैसे परम्परा तोड़कर नई परम्परा गढ़ना पड़ती है।तुम तो पढ़े लिखे हो। बाप दादाओं ने नंगे रहने की परम्परा तोड़ी तभी आज कपड़े पहनकर सभ्य बने घूम रहे है कि नहीं? मैं बासी रोटी खाने वाला साल भर बाद समझा जब सम्पत्ति को लेकर मुक़दमों की नौबत आई। आजकल देश दुनिया में समझदार शुभचिंतकों की कमी नहीं है जिनके होते हर संवेदना वेदना में डूबी है। रिश्तों में भी संवेदना ढूंढ़ने पर नहीं मिलती। मिलती है केवल वेदना,इसी को संवेदना समझ लो।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

बब्बन चाचा और समाज सेवा का अधूरा सपना

व्यंग्य

डॉ. मुकेश असीमित
लेखक चिकित्सक हैं।

जैसे ही बब्बन चाचा सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त हुए, शहर में कुकरमुत्तों की तरह उग आई संस्थाओं ने उन्हें सर आंखों और माथे पर बिठा लिया। दरअसल, सेवानिवृत्त होने से पहले ही वह समाज सेवा का मन बना चुके थे। संस्थाओं ने उनकी इस मनोवृत्ति को सूंघ लिया – आखिर संस्थाएं बनी ही इसलिए हैं कि कोई तो ऐसा मिले जिसे सेवा का कीड़ा काटे, और फिर संस्थाएं उससे सेवा करवा सकें !

उनके सेवानिवृत्ति समारोह में सभी लोग अपने-अपने सेवा 'मेनू कार्ड' लेकर उनके पास पहुँच गए। विकल्प सुझाए गए – 'बताइए, आपको किस प्रकार की सेवा करनी है? हमारी संस्था हर प्रकार की समाज सेवा में अग्रणी है।' सदस्यता पैकेज से लेकर रक्तदान, केले, कंबल, कपड़े – जो भी हो, सब कुछ दान के साथ ही उपलब्ध। सभी के पास लाभार्थियों की 'प्रामाणिक सूची', अखबारों से सांठगांठ, नित्य छपने की गारंटी, सम्मान, पदक और सरकार से भी दो-चार अलंकरण दिला देने की गारंटी !

कुल मिलाकर, संस्थाओं के पास समाजसेवा को सुनिश्चित करने के लिए अपने-अपने 'साम', 'दाम', 'दंड', 'भेद' के तरीके मौजूद हैं, ताकि सेवा येन केन प्रकारेन हो ही जाए बस ।

अब जीवन की बची हुई फूँक से समाज की सेवा में जान फूँक देने का उनका जज़्बा देखते ही बनता है। लेकिन दुर्भाग्य से समाज सेवा चाचा के लिए कोई मिशन नहीं, एक 'मिसफ़ायर' जैसा कुछ हो गया। ऐसा क्यों हुआ, हमने पूरी तहकीकात करके जो शोध रिपोर्ट हासिल की है, वो अब आपको बताते हैं! यह सिलसिला आज से दो साल पहले शुरू हुआ। इस बीच में चार-पाँच संस्थाएँ चाचा ने जॉइन कीं। सिफ़ारिश कहीं नहीं लगानी पड़ी। संस्थाएँ एक जोड़ी जातीं, दूसरी छूटती जातीं। किसी भी संस्था में एक या दो महीने से ज़्यादा नहीं टिके। या तो वे दूसरी संस्था को मौका देना चाहते थे या उसी संस्था में किसी और को। कारण कुछ भी हो सकता है।

चाचा ने पहली संस्था जॉइन की—उसके पहले ही प्रोग्राम में ऐसा अनुभव हुआ कि 'सर मुंडाते ही ओले पड़ गए।' संस्था का शपथ ग्रहण समारोह था। कार्यक्रम बढ़िया था, सब ठीक-ठाक संपन्न हुआ। शपथ लेते वक्त कैमरे वाले को विशेष रूप से अपनी दूर की जान पहचान का हवाला देते हुए और पोते के मुंडन संस्कार में बुलाने का वादा करके बढ़िया-सी फोटो भी खिंचवाई। लेकिन संस्था के अध्यक्ष ने उनकी इस मेहनत पर पानी फेर दिया—अपना खुद का फ़ोटो संस्था की न्यूज़ में लगवा दिया। दूसरे एडिशन में बब्बन का फ़ोटो नदारद पाकर और बब्बन की वर्तनी को 'बाबन' कर देने पर नाराज़ होकर फ़ोन कर दिया— 'आप मेरी सदस्यता वापस करें जी !'

दूसरी संस्था ने उनका नाम तो दर्ज कर लिया, पर संस्था के लैटर हेड में नहीं छपवाया। वह अपना नाम ढूंढते रह गए। काउंसिल के मेम्बर थे, लेकिन अध्यक्ष जी ने कहा कि 'चिंता न करें नए मेम्बर, अगली साल ऐड होंगे।' बताइए ज़रा ! संस्था की फीस तो पहले साल भी लगी थी, फिर कैसे होगी समाज सेवा? अब कोई ज्ञापन दें, किसी अधिकारी से मिलें, पोस्टर-बैनर बनें—सबके लिए नाम तो होना चैये की नहीं । इसी वादे के मुताबिक बब्बन चाचा जुट पड़े पूरी तरह संस्था की सेवा करने के लिए –खूब खिलाया . पिलाया, संस्था की कोर कमेटी को अपनी हैं हैं ब्रांड चापलूसी मुद्रा भाव के नाच से रिझाया, डोनेशन भी दिया। लेकिन संस्था में छोड़े गए अपने कुछ गुप्त सूत्रों से पता लगा कि किसी और को अध्यक्ष पद दिया जा रहा है।

बब्बन खफा होकर वहाँ से चले आए। एक संस्था ने तो हद की सारी हदें पार कर दीं। संस्था का व्हाट्सऐप ग्रुप था- सेवा कार्यों को विस्तार देने के लिए। शहर में सेवा कार्यों को हथियाने की होड़ में एक व्हाट्सऐप ग्रुप बना जहाँ कहीं भी कोई सेवा कार्य दिखे,बस लपकने के लिए,उसकी गुप्त सूचना देने के लिए ताकि कोई और संस्था उसे हथिया न ले।

इस ग्रुप में बब्बन चाचा के बड़बोलेपन और सेवा की उठती चूल को देखकर उन्हें जोड़ तो लिया गया, लेकिन एडमिन नहीं बनाया गया !

यह तो सरासर नाइंसाफ़ी है- बिना एडमिन अधिकार के सेवा के बारे में चर्चा करना अब उन्हें सेवा और खुद की दोनों की तौहीन लगने लगी। वो अपने सेवा-आइडिया को अपने ही हलक में दबाए, वहाँ से सटक लिए। अब क्या करें बब्बन चाचा? विकल्प है भी क्या? बिना सेवा किए उनका मुँह सिवा लटकने के और कर ही क्या सकता था भला !

कोई है संस्था, जो उन्हें लटका सके, सेवा की साइकिल के करियर पर उन्हें लाद सके? सेवा के गठरियें उनके माथे पर तनिक भारी तो हैं मित्र ! संस्था खुद ही सेवा में इतनी घिचपिच मचाए है... भीतर भरा है सेवा का कोठा—बाहर ड्रॉइंग रूम में सेवा की डीलें चल रही हैं। पद, माला, माइक से नाम, प्रतिष्ठा, अवसरों को भुनाने की डील। सब कुछ हो रहा है सेवा के नाम पर ही—लेकिन वह कैद है संस्था की इस कालकोठरी में... इस घुटन में ! कोई है जो सुनेगा बब्बन चाचा की भी? रोज़ ऐसे ही बब्बन चाचा हर बार समाज सेवा से थोड़ा-थोड़ा वंचित होते चले जा रहे हैं।

जयंती पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षिक हैं।

दर्द को सोच में बदल देने वाला शायर मिर्जा गालिब

गालिब की जिंदगी स्वयं एक लंबी गजल थी, कभी उसमें दुख झलकता था, कभी संघर्ष की कहानी सुनाई देती थी। बचपन में ही पिता का साया उठ जाना, फिर कम उम्र में विवाह, संतान-सुख का अभाव और आर्थिक असुरक्षा, इन सबने उनके व्यक्तित्व को भीतर तक झकझोर दिया। सात संतानें हुई लेकिन नियति ने एक को भी उनके पास नहीं छोड़ा। यह निजी त्रासदी कभी दर्द बनकर, कभी दर्शन बनकर उनकी शायरी में बार-बार लौटती है। गालिब का दुख रोना नहीं बनता, वह सवाल बनता है जिंदगी से, खुदा से और खुद से भी। भाषा के स्तर पर गालिब का प्रयोग अपने आप में क्रांतिकारी था। वे मूलतः फारसी के शायर थे और फारसी को ही श्रेष्ठ मानते थे लेकिन उर्दू में उन्होंने जो रचा, उसने उर्दू को नई ऊंचाईयां दी। उनकी उर्दू में फारसी की गहराई है, दर्शन की जटिलता है और अनुभूति की तीव्रता है। यही कारण है कि उनकी शायरी पहली नजर में कठिन लगती है लेकिन जैसे-जैसे पाठक उसमें उतरता है, वह अपनी ही जिंदगी के सवालों से रूबरू होने लगता है। गालिब किसी आसान दिलासा के शायर नहीं हैं बल्कि वे सोचने पर मजबूर करते हैं।

दिल्ली की पुरानी गलियों में आज भी अगर ध्यान से सुना जाए तो कहीं न कहीं एक ठहरी हुई उदासी, एक बगावती मुस्कान और एक गहरी दार्शनिक आहट सुनाई देती है। यही आहट मिर्जा गालिब की है। 27 दिसंबर 1797 को आगरा के काला महल में जन्मे मिर्जा असदउल्लाह बेग खान, जिन्हें दुनिया 'गालिब' के नाम से जानती है, केवल एक शायर नहीं थे बल्कि अपने समय की विडंबनाओं, मनुष्य की टूटन, प्रेम की असफलताओं और जीवन की तल्ख सच्चाइयों के सबसे प्रखर गवाह थे। उनकी शायरी पढ़ते हुए ऐसा लगता है, मानो शब्द नहीं बल्कि अनुभव बोल रहे हों; मानो हर शेर के पीछे कोई टूटी हुई उम्मीद, कोई अधूरी मोहब्बत या कोई असह्य सच खड़ा हो।

गालिब की जिंदगी स्वयं एक लंबी गजल थी, कभी उसमें दुख झलकता था, कभी संघर्ष की कहानी सुनाई देती थी। बचपन में ही पिता का साया उठ जाना, फिर कम उम्र में विवाह, संतान-सुख का अभाव और आर्थिक असुरक्षा, इन सबने उनके व्यक्तित्व को भीतर तक झकझोर दिया। सात संतानें हुई लेकिन नियति ने एक को भी उनके पास नहीं छोड़ा। यह निजी त्रासदी कभी दर्द बनकर, कभी दर्शन बनकर उनकी शायरी में बार-बार लौटती है। गालिब का दुख रोना नहीं बनता, वह सवाल बनता है जिंदगी से, खुदा से और खुद से भी। भाषा के स्तर पर गालिब का प्रयोग अपने आप में क्रांतिकारी था। वे मूलतः फारसी के शायर थे और फारसी को ही श्रेष्ठ मानते थे लेकिन उर्दू में उन्होंने जो रचा, उसने उर्दू को नई ऊंचाईयां दी। उनकी उर्दू में फारसी की गहराई है, दर्शन की जटिलता है और अनुभूति की तीव्रता है। यही कारण है कि उनकी शायरी पहली नजर में कठिन लगती है लेकिन जैसे-जैसे पाठक उसमें उतरता है, वह अपनी ही जिंदगी के सवालों से रूबरू होने लगता है। गालिब किसी आसान दिलासा के शायर नहीं हैं बल्कि वे सोचने पर मजबूर करते हैं।

दिल्ली गालिब की रचनात्मक आत्मा का सबसे बड़ा मंच रही। किशोरावस्था में ही वे दिल्ली आ गए थे और यहीं उनकी शायरी ने आकार लिया। मुगल दरबार में उनकी मौजूदगी केवल एक दरबारी शायर की नहीं थी बल्कि एक स्वतंत्र चेतना की थी। आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर स्वयं शायर थे और गालिब की प्रतिभा को पहचानते थे। दरबार में उन्हें सम्मान मिला, खिताब मिले लेकिन गालिब का स्वभाव किसी भी सत्ता के आगे पूरी तरह झुकने का नहीं था। वे अपनी शर्तों पर जीने वाले फनकार थे, थोड़े बेपरवाह, थोड़े विद्रोही और पूरी तरह ईमानदार। 1857 का विद्रोह गालिब की जिंदगी में निर्णायक मोड़ लेकर आया। दिल्ली उजड़ गई, मुगल साम्राज्य का अंत हो गया और गालिब की आर्थिक रीढ़ भी टूट गई। जो पेंशन और संरक्षण उन्हें दरबार से मिलता था, वह एक झटके में खत्म हो गया। यह दौर उनकी जिंदगी का सबसे कठिन समय था लेकिन इसी समय उनकी शायरी में वह तीखापन आया, जिसने उन्हें 'आम आदमी का शायर' बना दिया। भूख, तंगी और अपमान के बीच लिखे गए

उनके शेर किसी व्यक्तिगत पीड़ा तक सीमित नहीं रहे बल्कि वे पूरे समाज की टूटन का बयान बन गए।

गालिब का व्यक्तित्व जितना जटिल था, उतना ही मानवीय भी। शराब और जुए की आदतें, जेल जाना, आर्थिक बदहाली, ये सब उनकी छवि के ऐसे पहलू हैं, जिन्हें अक्सर नैतिकता के चश्मे से देखा गया। लेकिन गालिब को समझने के लिए उस नैतिकता से बाहर आना पड़ता है। वे अपने दोषों को छिपाते नहीं थे बल्कि उन्हें स्वीकार करते थे। यही स्वीकार्यता उन्हें आधुनिक बनाती है। वे जानते थे कि इंसान कमजोर है और उसी कमजोरी से उसका सच जन्म लेता है। गालिब की शायरी प्रेम की भी है लेकिन वह पारंपरिक इश्क नहीं है। उनके यहाँ मोहब्बत आदर्श नहीं, अनुभव हैकृजिसमें चाहत है, धोखा है, तड़प है और आत्म-संघर्ष भी है। उनका प्रेम ईश्वर तक पहुंचता है, फिर उससे सवाल करता है और अंततः मनुष्य की सीमाओं पर आकर ठहर जाता है। इसीलिए गालिब आज के युवा को भी उतने ही अपने लगते हैं, जितने अपने समय में थे। उनके शेर सोशल मीडिया पर उद्धरण बनकर घूमते हैं लेकिन उनका असली असर तब होता है, जब कोई उन्हें अकेले में पढ़ता है।

गालिब की लोकप्रियता का विस्तार केवल साहित्य तक सीमित नहीं रहा। सिनेमा और टेलीविजन ने भी उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाया। 1954 में बनी फिल्म मिर्जा गालिब ने उनके जीवन और संघर्ष को परदे पर उतारा, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। बाद में 1988 में गुलजार द्वारा निर्मित टीवी श्रृंखला मिर्जा गालिब ने उनकी शायरी और व्यक्तित्व को घर-घर पहुंचा दिया। इन प्रस्तुतियों ने यह साबित किया कि गालिब किसी एक युग के नहीं हैं बल्कि वे हर युग में नए अर्थों के साथ लौटते हैं। दिल्ली के बल्लीमारान की हवेली, निजामुद्दीन में उनकी कब्र, ये स्थान केवल ऐतिहासिक नहीं, भावनात्मक तीर्थ हैं, जहां आकर महसूस होता है कि गालिब की मौजूदगी अभी खत्म नहीं हुई। उनकी शायरी आज भी मुशायरों में गूंजती है, संगीत में ढ़लती है और नए-नए संदर्भों में जीवित रहती है। फारसी और उर्दू के संगम से उन्होंने जिस हिंदुस्तानी संवेदना को जन्म दिया, वह आज भी भाषा की सीमाओं को तोड़ती है।

गालिब का महत्व इस बात में नहीं है कि उन्होंने क्या सहा बल्कि इसमें है कि उन्होंने उसे कैसे शब्द दिए। उन्होंने दर्द को शिकायत नहीं बनने दिया बल्कि उसे सोच का विषय बनाया। उन्होंने ईश्वर से सवाल किए, समाज की विडंबनाओं पर कटाक्ष किया और मनुष्य की नश्वरता को स्वीकार किया। यही स्वीकार्यता उन्हें महान बनाती है। 15 फरवरी 1869 को गालिब इस दुनिया से चले गए लेकिन सच यह है कि वे कभी गए ही नहीं। वे हर उस व्यक्ति के साथ हैं, जो सवाल करता है; हर उस दिल के साथ हैं, जो टूटकर भी सोचता है; और हर उस कलम के साथ हैं, जो सच लिखने का साहस रखती है। गालिब आज भी इसलिए जिंदा हैं क्योंकि उन्होंने मनुष्य को उसके पूरे सच के साथ देखा, बिना सजावट, बिना झूठे दिलासे के और यही गालिब की अमरता है।

हर विधा का गुरु बन गया सोशल मीडिया

सोशल गुरुकुल

वत्सला

(लेखक और शिक्षाविद्)

भारत की प्राचीन गुरुकुल प्रणाली से हर भारतीय सुपरिचित है। सभी ने गुरुकुल के विषय में पढ़ा और सुना भी है। गुरुकुल शिक्षा प्रणाली बालक के व्यक्तित्व के समग्र विकास पर मुख्य रूप से केंद्रित थी। शिष्य-गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण करते थे। आज सोशल मीडिया पर विकसित नए-नए संसाधन एवं विभिन्न एप, गुरुकुल बन गए हैं। सोशल मीडिया पर गुरु और गुरुकुल दोनों आभासीय होते हैं। आप अपनी रुचि के अनुसार सोशल मीडिया के एप पर साहित्य, गीत-संगीत, कला, योग, आयुर्वेद, ज्ञान-विज्ञान, अध्यात्म इत्यादि संभवतः समस्त चौसठ कलाओं एवं अट्ठारहों विद्याओं को अधिगम कर सकते हैं। सोशल मीडिया के माध्यमों से चलने वाले गुरुकुलों में कक्षाएं कभी सशुल्क व कभी निःशुल्क सिखाई जा रही हैं। संप्रति हर विद्या की हर विधा सोशल मीडिया पर सर्वजन सुलभ हो गई है।

आज हर प्राणी सोशल मीडिया के नशे का हद तक आदी हो गया। सोशल मीडिया से तात्पर्य सामाजिक संचार माध्यमों से है। आज से वर्षों पहले संचार के साधन थे समाचार पत्र और रेडियो, ट्रांजिस्टर। जिनकी पहुंच गांव गिराव से लेकर नगर व शहरों तक थी। लेकिन, टेलीविजन के आते ही रेडियो व ट्रांजिस्टर की चमक फीकी और धीमी हो गई। टेलीविजन के बाद टीवी के चैनलों का आगमन हुआ और समाज में इन चैनलों के माध्यमों से सुसगति से वैचारिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक,पारिवारिक क्रांति का सूत्रपात हुआ। जिस समय आम लोग टीवी व उसके चैनलों को देखने में मशगूल थी, तभी कंप्यूटर एवं इंटरनेट का आगमन हो गया। कंप्यूटर के आते ही संचार क्रांति के क्षेत्र में हलचल मच गई। एक नए युग का आरंभ हो गया। कंप्यूटर ने तकनीकी-क्रांति को जन्म दिया। कंप्यूटर के विभिन्न स्वरूप डेस्कटॉप, लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्टफोन फिर एनरायड मोबाइल का आगमन हुआ और विविध प्रकार की नई-नई सुविधाओं से युक्त इन कंप्यूटरों का हर क्षेत्र में पदार्पण हो गया।

वर्तमान में स्मार्टफोन एवं एंड्रॉयड फोन के माध्यम से समाज का अमीर, गरीब ,मध्यम व हर वर्ग जुड़ा हुआ हैं। सोशल मीडिया के अनेक माध्यमों का विस्तार हुआ, यथा व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, ब्लॉग, यूट्यूब, जूम, गूगल मीट और स्ट्रीमयार्ड। सबसे सर्वोपरि है गूगल देवाधिदेव आदि। आज विभिन्न विधाओं को सीखने के विभिन्न एप आ गए हैं। यूट्यूब और गूगल तो सीखने- सिखाने के महागुरु बन गए। हर समस्या, हर खोज, हर मार्ग और न जाने क्या-क्या सभी का समाधान व उपाय इनके पास हैं। पहले जब गूगल देव नहीं थे, तो लोग एक-दूसरे से पूछकर सूचनायें एकत्र करते थे। आज किसी भी काम, कोई सूचना के विषय में लोग तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं गूगल, यूट्यूब, चैट जीपीटी से पूछो,पता चल जाएगा। ऐसा होता भी है सब कुछ ज्ञात हो जाता है।

आज सोशल मीडिया के कई साधनों पर हर वय के लोग एक साथ विषय को अधिगम कर रहे हैं। सोशल-मीडिया के नए-नए आविष्कृत माध्यम हर विषय और विषय की हर विधा को अधिगम कराने के सहज-सुगम संसाधन बन गए हैं। इसलिए इन माध्यमों को हम गुरुकुल की संज्ञा दें, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सोशल-मीडिया गुरुकुल आपको घर बैठे ही संगीतज्ञ बना रहे हैं। आप गायन, वादन तथा नृत्य की किसी भी विधा को सीख सकते हैं। घर बैठे ही आप इन माध्यमों से तरह-तरह के व्यंजन सीख रहे हैं। ये गुरुकुल आपको अंग्रेजी बोलना, संस्कृत में संभाषण करना,नाना छंद विधान यथा -दोहा, चौपाई, घनाक्षरी, गीत, गजल आदि सिखा रहे हैं। सोशल मीडिया के गुरुकुल हर वय (उम्र) के लोगों को, कम पढ़े तथा अधिक पढ़े सभी लोगों को एक साथ विषय का ज्ञान प्रदान कर रहे हैं। इन गुरुकुलों में एक विषय विशेषज्ञ गुरु और कई प्रशिक्षक, शिष्यों को तत्-तत् विद्या को अधिग्रहित करा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर गुरुकुल को संचालित करने वाले गुरुवर्य लोग कुछ तो सेवारत और कुछ सेवानिवृत निःस्वार्थ भाव से निःशुल्क अपना अमूल्य समय प्रदान कर लोगों को विभिन्न प्रकार के विषयों को अधीत करा रहे हैं। कुछ गुरु तो उच्च सेवा पद पर आसीन होते हुए भी समय निकालकर अपने विषय से इतर जिसमें वे अति प्रवीण है और जो उन्हें अति प्रिय है, उसे विधा को शिष्यों को हस्तगत करा रहे हैं। सोशल मीडिया के इन गुरुकुलों में आपने जिस विधा को सीखने के लिए अपना नाम पंजीकृत करा लिया है, उस विधा को गूगल मीट एवं व्हाट्सएप के आभासी -कक्षा में पढ़ाया व सिखाया जाता है। शिष्यों की शंकाओं का समाधान भी किया जाता है। तदोपरान्त छः महीने तक व्हाट्सएप ग्रुप पर निरंतर कक्षाएं चलती हैं। ये गुरुकुल ,यूट्यूब के माध्यम से भी विषय की समस्त सामग्री को प्रदान कर देते हैं।

आपके इनबॉक्स में भी विषय सामग्री भेज देते हैं जिससे आप अधिगम किए जाने वाली विधा को अच्छी तरह से सीख लें। ये गुरुकुल व्हाट्सएप समूह पर विधाओं को अधिगम करने के लिए प्रतिदिन आपको अभ्यास के लिए विषय देते हैं और प्रत्येक दिन का अलग-अलग एक प्रशिक्षक-गुरु नियुक्त कर देते हैं। शिष्यों के अभ्यास कार्य के लिए समय भी निश्चित कर देते हैं,उसी कालावधि में शिष्यगण अपना अभ्यास कार्य व्हाट्सएप समूह पर प्रेषित करते हैं। प्रशिक्षक-गुरु अपने सुविधानुसार पटल पर प्रेषित रचनाओं की समीक्षा कर त्रुटियों को इंगित भी कर देते हैं। यह आवश्यक नहीं होता है सभी प्रशिक्षक विषय व विधा में दक्ष हो पर गुरु तो गुरु ही होता है। सीखने वाले भी कई समूहों से सम्पृक्त होते हैं, कुछ यहाँ से कुछ वहां से सीखकर पूर्ण ज्ञान तो नहीं किंतु अधकचरा और कभी-कभी परिश्रम से पूरा ज्ञान प्राप्त भी कर लेते हैं। स्थाली पुलाक न्याय से इनमें से कुछ अपने को विषय विशेषज्ञ भी मानने लगते हैं।

प्रत्यक्ष और आभासी -कक्षा में अंतर तो रहता है पर ये पटल-गुरुकुल विषय को अधीर कराने का पूरा प्रयास करते हैं। आप कितने सफल होंगे यह आपके परिश्रम और नियमित अभ्यास पर निर्भर होता है। उपयुक्त संदर्भ में कह सकते हैं कि सोशल मीडिया के गुरुकुल अधीत विषय में पारंगत करने का पूरा प्रयास करते हैं। जिस प्रकार गुरुकुल में अनुशासन व नियमितता आवश्यक होती है वैसे ही इन पटलों पर अनुशासन व नियमितता रखी जाती है जिससे बिना किसी व्यतिक्रम के आप विषय को अधिगत कर सकें। ये गुरुकुल, भारत के साथ-साथ विदेशों में भी भारतीय -विद्या को वितरित कर रहे हैं। सोशल मीडिया को हम आभासी गुरुकुल का जनक कह सकते हैं, इसमें कोई विप्रतिपत्ति नहीं है।

डूब प्रभावितों की रजिस्ट्री,प्रभावितों से ज्यादा दलाल खुश

मुद्दा

राजेन्द्र जोशी

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं ।

सरदार सरोवर बांध की 1961 में नींव रखी गई थी और 2017 में इसका उद्घाटन किया गया। इन दौरान नवागम बांध का नाम सरदार सरोवर हो गया। सरकार द्वारा प्रभावितों का पुनर्वास न किए जाने से सन् 1995 में सुप्रीम कोर्ट ने बांध की ऊंचाई 80.03 मीटर तक रखने के निर्देश दिए गए थे। उस समय मप्र सरकार ने गुजरात सरकार से 281 करोड़ के मुआवजे की मांग की थी। गुजरात सरकार ने इसे अधिक बताते हुए राशि देने से इंकार कर दिया था। पुनर्वास के सवाल बने रहे लेकिन सन् 2014 में बांध को पूर्ण ऊंचाई 138.68 मीटर तक बढ़ा दिया गया और 2019 में इसे पूरी क्षमता से भर भी दिया गया। इसके बाद प्रदेश शासन ने वास्तविक डूब के आधार पर गुजरात सरकार से 7669.19 करोड़ रुपए का हर्जाना माँगा। इस हर्जाने में प्रदेश में बांध से डूबी वन-राजस्व-आबादी भूमि परिसंपत्ति, खनिज संपदा, पुनर्वास के लिए उपयोग मे ली गई भूमि तथा पुनर्वास स्थलों के विकास पर हुए खर्च पेटे 7669.19 करोड़ रुपए की मांग की गई। मध्यप्रदेश सरकार का दावा है कि बाँध का पूरा भरने पर 178 के बदले प्रदेश के 192 गाँव डूब गए। इसका अर्थ है कि सरकार ने पुनर्वास की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के लिए पहले डूब का प्रभाव कम बताया था और इसी आधार पर पुनर्वास के दावे किए गए थे।

कोई नहीं हटेगा बांध नहीं बनेगा, अस्सी नब्बे के दशक की यह गूंज आज भी सुनाई देती है। नर्मदा पर बांध भले ही बन गया लेकिन लड़ाई बंद नहीं हुई है। चाहे वह डूब प्रभावितों की लड़ाई हो या फिर मध्य प्रदेश और गुजरात सरकारों की बीच की। जहां डूब प्रभावित अपने हक की लड़ाई लड़ रहे है तो वहीं सरकारें लकीरें पीटने की नूरा कुश्ती में व्यस्त हैं। इन सबके बीच प्रभावितों की बरसो पुरानी मांग का निराकरण करते हुये मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने भूखंडों की रजिस्ट्री करने का आदेश दिया है। मजे की बात है कि इस एक ही आदेश से प्रभावितों, रिश्वतखोर अधिकारी और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण विभाग में दलाली करने वाले सब खुश नजर आ रहे हैं। अधिकारी-दलाल गठजोड़ में शामिल लोगों के चेहरे की रौनक बता रही है कि वे इस बार रजिस्ट्री करवाने में मुआवजे की पिछली दलाली से भी ज्यादा चाँदी काटेंगे।

सरदार सरोवर बांध की 1961 में नींव रखी गई थी और 2017 में इसका उदघाटन किया गया। इन दौरान नवागम बांध का नाम सरदार सरोवर हो गया। सरकार द्वारा प्रभावितों का पुनर्वास न किए जाने से सन् 1995 में सुप्रीम कोर्ट ने बांध की ऊंचाई 80.03 मीटर तक रखने के निर्देश दिए गए थे। उस समय मप्र सरकार ने गुजरात सरकार से 281 करोड़ के मुआवजे की मांग की थी। गुजरात सरकार ने इसे अधिक बताते हुए राशि देने से इंकार कर दिया था। पुनर्वास के सवाल बने रहे लेकिन सन् 2014 में बांध को पूर्ण ऊंचाई 138.68 मीटर तक बढ़ा दिया गया और 2019 में इसे पूरी क्षमता से भर भी दिया गया। इसके बाद प्रदेश शासन ने वास्तविक डूब के आधार पर गुजरात सरकार से 7669.19 करोड़ रुपए का हर्जाना माँगा। इस हर्जाने में प्रदेश में बांध से डूबी वन-राजस्व-आबादी भूमि परिसंपत्ति, खनिज संपदा, पुनर्वास के लिए उपयोग मे ली गई भूमि तथा पुनर्वास स्थलों के विकास पर हुए खर्च पेटे 7669.19 करोड़ रुपए की मांग की गई। मध्यप्रदेश सरकार का दावा है कि बाँध का पूरा भरने पर 178 के बदले प्रदेश के 192 गाँव डूब गए। इसका अर्थ है कि सरकार ने पुनर्वास की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के लिए पहले डूब का प्रभाव कम बताया था और इसी आधार पर पुनर्वास के दावे किए गए थे।

नर्मदा न्यायाधिकरण के गठन पहले से ही अनुभव किया गया है कि राज्यों के बीच गुजरात हमेशा भारी पड़ा है। 30 सालों से गुजरात सरकार न तो मध्यप्रदेश को उसके अधिकार का पैसा भुगतान कर रहा है और न ही मध्यप्रदेश सरकार अपना पैसा वसूल पाई है। ताजा स्थिति के अनुसार गुजरात सरकार साढ़े सात हजार करोड़ रुपए में से मात्र 281करोड़ में ही मामला निपटाना चाहता है। अब मध्यप्रदेश सरकार के सामने आर्बिट्रेशन में जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है।सरदार सरोवर परियोजना से प्रभावित लोगो की बात करें तो आज भी कई लोग मुआवजे की बाट जो रहे हैं। हजारों मामले शिकायत निवारण प्राधिकरण में सालों से बिना सुनवाई के लंबित पड़े हैं क्योंकि वहाँ न्यायाधीशों की नियुक्ति करवाने के लिए नर्मदा बचाओ आंदोलन को न्यायालय में जाना पड़ता है। शिकायत निवारण प्राधिकरण से निराकृत सैकड़ों प्रकरण उच्च न्यायालय में लंबित है क्योंकि सरकार न्यायालय के आदेश भी नहीं मानती। पुनर्वास से शेष बचे प्रभावित मांगो को लेकर नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के

सिर्फ चक्कर ही काट रहे हैं क्योंकि विभाग की किसी भी आफिस में पुनर्वास अधिकारी नहीं है।

दूसरी ओर डूब प्रभावितों को आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री हेतु मप्र उच्च न्यायालय द्वारा दिये गए आदेश के बाद डूब प्रभावित आशान्वित है कि उन्हें मिले पट्टों की रजिस्ट्री के बाद वे भूखण्डों के मालिक बन जाएंगे। सरदार सरोवर बांध से प्रभावितों का जब मुआवजा वितरण प्रारम्भ हुआ तो उसमे जमकर भ्रष्टाचार के साथ दलाली हुई। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा गठित झा आयोग की विस्तृत रिपोर्ट ने उसकी पुष्टि की थी। दलालों और अधिकारियों के संगठित भ्रष्टाचार उन दिनों काफी लंबे समय तक सुर्खियों में रहा था। मुआवजे की दलाली में सैकड़ों दलालों के साथ 40 अधिकारी कर्मचारियों के नाम भी झा आयोग की रिपोर्ट में आए लेकिन सरकार ने किसी पर कोई कार्यवाही नहीं की। उस समय कें मामलों को लेकर निर्भीक ओर आश्वस्त सरकारी कारिंदे जो आज तक विभाग मे जमे हुए हैं उनकी पुराने दलालों के साथ फिर से मधुर संबंध कायम होने लगे है। ये गठजोड़ बेघर हुए प्रभावितों को शिकार बनाने के लिए गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे हैं।2019 में डूब चुके पिछोड़ी गाँव के करीब डेढ़ सौ परिवारों को सिर्फ कागज में ही पट्टा दिया गया है क्योंकि उनके पुनर्वास के लिए जो जमीन अधिग्रहित की गई थी उनका कब्जा सरकार नहीं ले पाई है। मध्यप्रदेश सरकार जिनके पुनर्वास के लिए गुजरात से हर्जाना माँग रही है उनका तो पुनर्वास ही नहीं किया गया है। इसके अलावा 16 हजार प्रभावित परिवारों को डूब से बाहर बताकर उनके पुनर्वास से इंकार कर दिया गया है।

हालांकि इनमें से ज्यादातर परिवारों को आवासीय भूखण्ड पहले ही आवंटित कर दिए गए थे। जिन प्रभावितों ने आवंटित भूखंड पर निर्माण नहीं किया उनके भूखंड पर अवैध कब्जे भी हो गए हैं।केवल इतना ही नहीं बड़ी संख्या में लोगों ने अपने भूखण्ड दूसरों को बेच दिए है और खरीददारों ने उन पर निर्माण भी कर लिए हैं। ऐसे में भूखण्डों की रजिस्ट्री प्रक्रिया इतनी आसान नहीं होने वाली है,क्योंकिआयुक्त पुनर्वास/फील्ड नर्मदा घाटी विकास प्रा.इंदौर के द्वारा अपने मातहतो को जारी किए गए पत्र मे स्पष्ट लिखा है कि भूखंडो का नामातरण एव सीमांकन किये जाने के साथ राजस्व अभिलेख एव मानचित्र मे संशोधन किया जाना भी शामिल है, उसी के बाद उनकी रजिस्ट्री प्रक्रिया कि जाएगी। नर्मदा घाटी विकास प्रा.विभाग के अधिकारियों को भी मालूम है किस भूखंड पर कोन काबिज है,ओर कब्जेदार कोन है, इन सबके चलते आने वाले समय में हर पुर्नवास स्थलों पर विवाद होने से इंकार नही किया जा सकता है।

श्री मोहनखेड़ा तीर्थ की पावन धरा पर आज गुरु सप्तमी महोत्सव में उमड़ेगा आस्था का सैलाब...

क्या जैन- क्या अजैन लाखों गुरुभक्तों की उपस्थिति से मोहनखेड़ा में दिखाई देता है लघु भारत की छटा सा दृश्य

(श्री मोहनखेड़ा तीर्थ से राजेश शर्मा)
जन - जन की आस्था के केंद्र, क्या जैन- क्या अजैन हर कोई अपने गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. के दर्शन- वंदन कर अपने को धन्य मानता है। गुरुभक्ति और गुरु के प्रति आस्था देखना हो तो श्री मोहनखेड़ा तीर्थ चले आइए। इस पावन धरा का कण- कण गुरुभक्तों के लिए वंदनीय है । गुरु सप्तमी महापर्व का तो लाखों- लाख गुरुभक्तों को वर्ष भर इंतजार रहता है। 27 दिसम्बर की पावन तिथि गुरु सप्तमी महापर्व पर श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पर गुरुभक्तों की आस्था का सैलाब उमड़ेगा। क्या जैन- क्या अजैन लाखों गुरुभक्तों की उपस्थिति से इस पावन धरा में लघु भारत की छटा सा दृश्य दिखाई देगा।

गुरुभक्तों के पूजन के लिए की व्यापक व्यवस्था

गुरुसप्तमी महोत्सव में आए गुरुभक्तों के लिए ट्रस्ट मंडल ने व्यापक व्यवस्था की है। इसी के तहत गुरुदेव के समाधि मंदिर में गुरु पूजन के लिए श्री विद्याचंद्र सुरीश्वरजी के मंदिर के समीप से गुरुमंदिर परिसर के अंदर तक सुरक्षा की दृष्टि से बेरिकेटिंग की गई है। जिससे पूजन करने वाले गुरुभक्त बेरिकेड्स अंदर क्रमबद्ध तरीके से चलकर गुरु मंदिर में दर्शन वंदन व पूजन कर सकेंगे। श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पर श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. की 199वीं जन्म जयंती व 119वीं पुण्यतिथि का भव्य आयोजन गुरु सप्तमी महापर्व के रूप में मनाया जाएगा।

गुरु गुणानुवाद सभा का होगा आयोजन, हजारों गुरुभक्त होंगे शामिल

श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पर श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. की 199वीं जन्म जयंती व 119वीं पुण्यतिथि पर सुबह से लेकर रात्रि तक अनेक आयोजन होंगे। महोत्सव गच्छाधिपति आचार्य श्री हितेशचंद्र सुरीश्वर जी म.सा. की निश्रा में मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर तीर्थ परिसर में विशाल पांडाल बनाया गया हैं जो 21 हजार स्क्वेयर फीट का है जिसमे हजारों गुरुभक्त बैठ सकेंगे। जहां प्रातः 10 बजे गुरु गुणानुवाद धर्मसभा का आयोजन होगा। मंदिर की साज सज्जा में करीब 7 क्विंटल फूलों का उपयोग किया गया है है। श्री आदिनाथ राजेंद्र जैन श्वेतांबर पेढ़ी ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी सुजानमल जैन ने बताया कि गुरु सप्तमी महोत्सव का मुख्य आयोजन दिवस हैं। देशभर के हजारों हजार गुरुभक्त गुरु सप्तमी महोत्सव के साक्षी बनेंगे। तीर्थ यात्रियों के ठहरने की ट्रस्ट मंडल द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। शुक्रवार रात्रि में मुख्य आयोजन दिवस शनिवार को होने वाले आयोजन के चढ़ावे बोले गए। शुक्रवार को महाआरती हुई। राजगढ़ में शुक्रवार को जेनिश ग्रुप द्वारा गुरुदेव की अंतिम देह त्याग स्थल भूमि राजेंद्र भवन पर महाआरती व भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में गुरुभक्त शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया पोस्टर लांच

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार की शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान का पोस्टर लांच किया। यह अभियान 12 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक संचालित होगा। पोस्टर विमोचन के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, अपर मुख्य सचिव, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री संजय कुमार शुक्ला और परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड उपस्थित थे।

आज मुख्यमंत्री सतना में 652 करोड़ 54 लाख रूपये के विकास कार्यों की देंगे सौगात

अंतर्राष्ट्रीय बस टर्मिनल और क्रिकेट स्टेडियम का करेंगे लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 दिसम्बर को सतना जिले को 652 करोड़ 54 लाख रूपये लागत के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सतना शहर में 31 करोड़ 15 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल और 8 करोड़ 39 लाख रूपये लागत के नवनिर्मित धवारी क्रिकेट स्टेडियम का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आई.एस.बी.टी. सतना में आयोजित कार्यक्रम में सतना शहर के 168 लाख 33 हजार रूपये लागत के 6 कार्यों का लोकार्पण और 484 करोड़ 21 लाख रूपये लागत के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे।

650 बिस्तरीय नवीन चिकित्सालय भवन का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शासकीय मेडीकल कॉलेज सतना में आयोजित कार्यक्रम में 383 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 650 बिस्तरीय नवीन चिकित्सालय भवन के निर्माण का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सतना में आयोजित विंध्य व्यापार मेला के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

जबलपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय का बाबू और प्यून गिरफ्तार

कैंपस में युवती को बुलाकर नौकरी दिलवाने के नाम पर किया था रेप

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 22 वर्षीय युवती से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी विश्वविद्यालय में पदस्थ बाबू और प्यून हैं, जिन्होंने जबलपुर के तिलवारा में रहने वाली युवती को विश्वविद्यालय के कैंपस में बुलाया और कमरे में ले जाकर रेप किया। घटना 25 दिसंबर रात की है। जैसे-तैसे महिला आरोपियों के चंगुल से छूटकर अगले दिन आधारताल थाने पहुंची और दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी और उन्हें उनके घर से गिरफ्तार किया। हालांकि आरोपी अपने आपको निर्दोष बता रहे थे।

सोशल मीडिया से मिली जानकारी- 22 वर्षीय युवती को करीब 20 दिन पहले सोशल मीडिया से जानकारी लगी कि जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय में संविदा में नौकरी के लिए कुछ पोस्ट निकली है। यूनिवर्सिटी की बैकसाइड पर युवती ने संपर्क के लिए नंबर तलाश किया तो कुलगुरु कार्यालय का टेलीफोन नंबर मिला। इसी नंबर पर युवती ने कॉल किया तो यूडीसी (अपर डिवीजन क्लर्क) दुर्गाशंकर सिंगरहा ने फोन उठाया। युवती ने कहा कि जानकारी लगी है कि विश्वविद्यालय में वैकेंसी निकली है, जिस पर आरोपी ने हां कहते हुए सारे दस्तावेज मंगाए। अगले दिन युवती नौकरी से संबंधित दस्तावेज लेकर विश्वविद्यालय पहुंची, जहां उसकी मुलाकात 58 वर्षीय दुर्गाशंकर से हुई।

मैं लगवा सकता हूं जॉब: बाबू- विश्वविद्यालय कार्यालय में पदस्थ बाबू को युवती ने आवेदन सहित सारे दस्तावेज दे दिए। इसके बाद कहा कि आप मेरे संपर्क में रहें। मैं कुलगुरु सर से बात करते हुए आपकी नौकरी लगवा सकता हूं। इतनी बात होने के बाद युवती घर आ गई। इसके बाद एक से दो मर्तबा दोनों की मुलाकात शहर में हुई, जहां पर भी दुर्गाशंकर ने यही आश्वासन दिया कि मैं कोशिश कर रहा हूं। जल्द ही आपकी नौकरी लग जाएगी।

25 दिसंबर को बुलवाया विश्वविद्यालय पीड़िता के मुताबिक दोपहर को दुर्गाशंकर ने कॉल करके कृषि विश्वविद्यालय बुलवाया। कहा गया कि बात हो गई है, जल्द ही इंटरव्यू होने वाले है। आरोपी की बातों में आकर गुरुवार की शाम को युवती विश्वविद्यालय के कैंपस में बने कृषि नगर कालोनी पहुंची। आरोपी ने युवती को कॉल करके प्यून मुकेश सेन के घर पर बुलवाया। युवती ने बताया कि काफी देर तक साथ में बैठे रहने के बाद अचानक ही मुकेश घर से बाहर निकाला और दरवाजा बंद कर दिया।

पीड़िता ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि नौकरी दिलवाने के नाम पर पहले तो घर बुलाया और फिर जबरन रेप किया। युवती का कहना था कि वह चीखती रही, पर उसने एक नहीं सुनी और बंद कमरे में मेरे साथ रेप किया। घटना के बाद दोनों युवती को लेकर विश्वविद्यालय कैंपस से बाहर निकले और धमकाते हुए कहा कि अगर चुप रहोगी तो नौकरी लग जाएगी, नहीं तो बदनामी होगी।

बैरसिया को सफाई में नंबर-1 बनने में मदद करेगा भोपाल: महापौर

स्कूल, कॉलेज-मैरिज गार्डन में होंगी प्रतियोगिता; पुरस्कृत करेंगी महापौर

भोपाल (नप्र)। देशभर में स्वच्छ शहरों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल करने वाला भोपाल अब अपने अनुभव से बैरसिया को भी चमकाएगा। केंद्र सरकार के 'स्वच्छ शहर जोड़ी' के प्रयोग में भोपाल और बैरसिया की जोड़ी बनाई गई है। जनवरी में भोपाल निगम बैरसिया में स्वच्छता से जुड़ी प्रतियोगिताएं करेगा। इसके बाद पुरस्कृत भी किया जाएगा। इसे लेकर शुक्रवार को बैरसिया में बैठक भी हुई।

दरअसल, भोपाल नगर निगम का लक्ष्य है-100 दिन के भीतर बैरसिया नगर को नई चमक देना। इस दौरान राजधानी का निगम प्रशासन, बैरसिया को कचरा पृथक्करण और परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए गए पानी का निपटान, स्वच्छता तक पहुंच और सफाई कर्मियों के कल्याण जैसे 8 अहम बिंदुओं पर सहयोग कर रहा है। इसके बाद केंद्र सरकार पूरे प्रयोग का एनालिसिस करेगी और उसी आधार पर आगे स्वच्छता रैंकिंग तय करेगी।

हर रोज 2 घंटे सफाई में सहयोग करने का अनुरोध- शक्रवार को महापौर मालती राय, एमआईसी मेंबर आरके सिंह बघेल

बैरसिया पहुंचे। यहां महापौर राय ने बाजार, रेस्टोरेंट आदि में डस्टबिन रखने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, सेंट्रल वर्ज की बेहतर साफ-सफाई करने का भी आह्वान किया। नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री राठौर, पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह, सीएमओ राजेंद्र सक्सेना, स्कूल, बैंक, हॉस्पिटल, मैरिज गार्डन, होटल, रेस्टोरेंट संचालक, व्यापारी, फल-सब्जी विक्रेता एवं वरिष्ठ नागरिक मौजूद थे।

महापौर ने नगर पालिका के 18 वार्ड में स्वच्छता की प्रतियोगिता आयोजित करने, 15 मैरिज गार्डन एवं स्कूल-कॉलेज में भी स्वच्छता की प्रतियोगिता आयोजित करने को कहा। राय ने कहा कि 15, 16 और 17 जनवरी को भोपाल नगर निगम से टीम बैरसिया आएगी।

फिर यहां स्वच्छता में किए गए कार्यों के लिए चयन करेगी और 20 जनवरी को स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। महापौर ने बाजार, रेस्टोरेंट में डस्टबिन रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने को कहा।

स्वच्छ शहर जोड़ी का 8 फोकस प्वाइंट

- **दृश्य स्वच्छता** - संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले पब्लिक स्पेस, मंडी और बाजारों से कचरा हटाना।
- **कचरे का पृथक्करण व परिवहन-** 100त्न डोर-टू-डोर कलेक्शन और स्रोत पर ही अलगाव।
- **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन-** कम्पोस्टिंग यूनिट, पुराने कचरे का उपचार और वैज्ञानिक लैंडफिल।
- **स्वच्छता तक पहुंच-** कार्यशील सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय उपलब्ध कराना।
- **पानी का प्रबंधन** - ग्रे वाटर और मलजल का सुरक्षित निपटान।
- **सफाई कर्मियों का कल्याण-** डिस्लजिंग सेवाओं का मशीनीकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा।
- **जन-जागरूकता-** व्यवहार परिवर्तन अभियान और सामुदायिक भागीदारी।
- **शिकायत निवारण-** हेल्पलाइन, ऐप, डैश बोर्ड से नागरिक सहभागिता।

भोपाल मॉडल से बदलेगा बैरसिया

नगर निगम के अफसर बताते हैं कि राजधानी के 85 वार्डों में जो मॉडल कामयाब रहा है, वही सिस्टम बैरसिया नगर में लागू किया जा रहा है। यहां घर-घर से कचरा उठाकर ट्रांसफर स्टेशन तक पहुंचाया जाता है और फिर उसे आदमपुर छावनी स्थित कचरा खंती में भेजकर वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस किया जाता है। अब उसी तरह से नगर पालिका बैरसिया के कचरे की प्रोसेसिंग नगर निगम के आदमपुर छावनी स्थित प्लांट में की जाएगी। ताकि कचरे का निष्पादन तेजी से हो सके। इसके लिए जो भी जरूरी संसाधन लगेंगे। उसके लिए सहयोग किया जाएगा। इस पर काम भी शुरू हो चुका है।

चुरहट एसडीएम कार्यालय का स्टेनो रिश्वत लेते गिरफ्तार

वारिसाना नाम दर्ज कराने मांगे 50 हजार; लोकायुक्त ने दस हजार लेते पकड़ा

सीधी (नप्र)। सीधी जिले में लोकायुक्त पुलिस ने चुरहट एसडीएम कार्यालय में पदस्थ स्टेनो रामहित तिवारी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम करीब 5 बजे रीवा लोकायुक्त की 12 सदस्यीय टीम ने की। टीम का नेतृत्व लोकायुक्त निरीक्षक एस.आर. मरावी कर रहे थे।

वारिसाना नाम दर्ज कराने के बदले मांगी थी रिश्वत- लोकायुक्त पुलिस के अनुसार यह मामला वारिसाना नाम दर्ज कराने से जुड़ा है। शिकायतकर्ता गजेंद्र सिंह पटेल ने आरोप लगाया था कि स्टेनो रामहित तिवारी ने इस काम के लिए कुल 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। आरोपी पहले ही 25 हजार रुपए ले चुका था। दूसरी किस्त के रूप में 10 हजार रुपए लेते समय लोकायुक्त टीम ने उसे पकड़ लिया।

शिकायत के बाद की गई जांच- लोकायुक्त निरीक्षक ने बताया कि शिकायत करीब 15 दिन पहले दर्ज कराई गई थी। इसके बाद मामले का सत्यापन किया गया। जांच में आरोप सही पाए जाने पर टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

पूछताछ और कानूनी कार्रवाई जारी- गिरफ्तारी के बाद आरोपी स्टेनो को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए चुरहट स्थित सर्किट हाउस ले जाया गया। यहां उससे पूछताछ की जा रही है और आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

महाकाल मंदिर में आस्था और दान दोनों में उछाल

एक साल में 13 करोड़ से अधिक के आभूषण मिले, 1अरब से अधिक का दान आया

उज्जैन (नप्र)। महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था और दान दोनों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। देश-विदेश से आने वाले भक्त अब पहले से कहीं अधिक संख्या में भगवान महाकाल के दर्शन कर रहे हैं और दिल खोलकर दान भी कर रहे हैं।

महाकाल लोक बनने से पहले मंदिर में प्रतिदिन 40 से 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर रोजाना करीब डेढ़ से दो लाख श्रद्धालुओं तक पहुंच गई है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु सोना-चांदी के साथ-साथ नगदी भी दान कर रहे हैं। महाकाल मंदिर में बीते 11 महीनों में 5.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इस दौरान भक्तों ने करीब 13 करोड़ रुपए मूल्य का सोना-चांदी दान किया है, जबकि नकद दान के रूप में 43 करोड़ 43 लाख रुपए मंदिर समिति को प्राप्त हुए हैं।

इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक कुल 5.5 करोड़ श्रद्धालु महाकाल मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगी दान पेटियों से महाकाल मंदिर समिति को 43 करोड़ 43 लाख रुपए का दान प्राप्त हुआ है। वहीं शीघ्र दर्शन व्यवस्था

से मंदिर समिति को करीब 64 करोड़ 50 लाख रुपए की आय हुई है। पिछले वर्ष 2024 में भेंट पेटी और शीघ्र दर्शन से महाकाल मंदिर को कुल 92 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस वर्ष, पिछले साल की तुलना में करीब 15 करोड़ रुपए अधिक दान भगवान महाकाल को प्राप्त हुआ है।

एक अरब 7 करोड़ दान पेटी और शीघ्र दर्शन से आय- इस बार भेंट पेटी और शीघ्र दर्शन से महाकाल मंदिर को 11 माह 15 दिन में 107 करोड़ 93 लाख रुपए की आय हुई है। अभी 15 दिन शेष हैं जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर पहुंचने की उम्मीद है। महाकाल मंदिर में अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय जैसे भस्म आरती बुकिंग,अभिषेक पूजन की आय, अन्न क्षेत्र से आय, धर्मशाला बुकिंग आय,फोटोग्राफी मासिक शुल्क आय, भांग एवं ध्वजा बुकिंग से आय,उज्जैन दर्शन बस सेवा से होने वाली आय शामिल नहीं।

13 करोड़ से अधिक के आभूषण दान आए- महाकाल मंदिर में एक जनवरी 2025 से लेकर पंद्रह दिसंबर 2025 तक के बीच में श्रद्धालुओं ने 592.366 किग्रा चांदी और 1483.621 ग्राम सोना बाबा महाकाल को दान किया है। दान आए आभूषणों में सोने की कीमत करीब 1 करोड़ 82 लाख रुपए तो चांदी की कीमत 11 करोड़ 85 लाख रुपए के आसपास है। महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं ने एक वर्ष से भी कम समय में 13 करोड़ रुपए से अधिक के तो सिर्फ आभूषण ही दान कर दिए।

खजुराहो एयरपोर्ट बना देश का नंबर 1 हवाई अड्डा

यात्री संतुष्टि सर्वे में दिल्ली-मुंबई को पीछे छोड़ा; डायरेक्टर बोले- पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा

खजुराहो (नप्र)। खजुराहो एयरपोर्ट ने देश के सभी हवाई अड्डों को पीछे छोड़ते हुए नंबर 1 स्थान हासिल किया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा जारी 2025 के कस्टमर सैटिस्फेक्शन सर्वे में खजुराहो एयरपोर्ट को यात्रियों की संतुष्टि के आधार पर शीर्ष स्थान दिया गया। इस सर्वे में यात्रियों ने सुविधाओं और स्टाफ के व्यवहार के लिए इसे सर्वोच्च अंक दिए।

सर्वे में खजुराहो को सर्वश्रेष्ठ माना गया- एएआई के कस्टमर सैटिस्फेक्शन सर्वे राउंड 2 में एयरपोर्ट का मूल्यांकन स्वच्छता, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं जैसे मानकों पर किया गया। सर्वे में यात्रियों से एयरपोर्ट स्टाफ के व्यवहार और उपलब्ध सुविधाओं पर प्रतिक्रिया ली गई। आंकड़ों के अनुसार

स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा के हर पैमाने पर खजुराहो एयरपोर्ट को उच्चतम अंक प्राप्त हुए।

यात्रियों ने सुविधाओं की सराहना की- यात्रियों ने खजुराहो एयरपोर्ट की साफ-सफाई, प्रतीक्षा क्षेत्रों में बैठने की सुविधा, सामान वितरण की तेज व्यवस्था और सुरक्षित माहौल की तारीफ की। एयरपोर्ट स्टाफ का मददगार रवैया भी इसे शीर्ष स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण रहा।

डायरेक्टर बोले- यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा रही प्राथमिकता- एयरपोर्ट डायरेक्टर संतोष सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी टीम के बेहतर तालमेल और सेवा गुणवत्ता को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा रही है।

मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय- स्थानीय लोगों ने बताया कि खजुराहो एयरपोर्ट की यह उपलब्धि मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह दर्शाता है कि छोटे शहरों के एयरपोर्ट भी बेहतर सुविधाएं और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करके बड़े महानगरों के हवाई अड्डों को पीछे छोड़ सकते हैं।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन जिम्नेशियम, क्रिकेट स्टेडियम एवं प्रस्तावित गीता भवन स्थल का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिये जिला मुख्यालय स्थित निर्माणाधीन जिम्नेशियम, स्वीमिंगपूल एवं क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्य की गुणवत्ता, समय-सीमा एवं आवश्यक सुविधाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली तथा निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिला मुख्यालय में प्रस्तावित गीता भवन के निर्माण हेतु चिन्हित भूमि का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्थल की उपलब्धता, पहुंच मार्ग एवं आवश्यक बुनियादी सुविधाओं पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि खेल एवं सांस्कृतिक अधोसंरचना के विकास से जिले के युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे तथा सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी परियोजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार श्री अमित सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

टाउन हॉल में संचालित शासकीय पुस्तकालय का निरीक्षण

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टाउन हॉल में संचालित शासकीय पुस्तकालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, अध्ययन कक्ष, बैठने की व्यवस्था एवं पाठकों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने पुस्तकालय की स्वच्छता, व्यवस्था एवं संचालन की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने पुस्तकालय में आए विद्यार्थियों से चर्चा भी की। कलेक्टर ने संबंधितों को निर्देशित किया कि पुस्तकालय में अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखा जाए तथा विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके, इसके लिए आवश्यक बेहतर रहें। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का केंद्र होता है और इसके सुव्यवस्थित संचालन से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशेष सहायता मिलती है।

जब संकल्प को मिला सहयोग: सीहोर की महिला सहकारी संस्था के सपनों को मिला प्रशासनिक संबल

सीहोर (निप्र)। जहाँ नेक इरादे और अटूट संकल्प हो, वहाँ समाज और प्रशासन भी मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाते हैं। इसका जीवंत उदाहरण सीहोर जिले की जागृति महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित के रूप में सामने आया है। इस संस्था ने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि हौसला बड़ा हो, तो बड़ी से बड़ी बाधा को पार किया जा सकता है।

मजदूरी से उद्यमी बनने का सफर : संस्था की प्रबंधक श्रीमती संतोषी तिवारी ने बताया कि संस्था की अधिकांश महिलाएं छोटी किसान और ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। जो हुनरमंद होने के बावजूद संसाधनों के अभाव में मजदूरी करने को मजबूर थीं। जनवरी 2025 में गठित इस संस्था का उद्देश्य महिलाओं को उनके कृषि उत्पादों का सही मूल्य दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर उद्यमी बनाना है। संस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती व्यवसाय शुरू करने के लिए शुरुआती पूंजी की थी।

इस समस्या को प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, सीहोर, श्री सुधीर कैथवास जी ने बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने न केवल महिलाओं की व्यथा सुनी, बल्कि एक अनुकरणीय पहल करते हुए अपने कार्यालय के स्टाफ के सहयोग से 75,000 रुपये की राशि एकत्रित कर संस्था को 'अमानत' के रूप में प्रदान की। यह राशि बिना किसी ब्याज के संस्था को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

आयुक्त कार्यालय में ली गई सुशासन दिवस की शपथ

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदंडों के महत्व को प्रतिपादित करने के उद्देश्य से उनके जन्म दिवस 25 दिसंबर के 1 दिन पूर्व 24 दिसंबर को प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। बुधवार 24 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में नर्मदापुरम संभाग आयुक्त श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की उपस्थिति में आयुक्त कार्यालय एवं आयुक्त कार्यालय परिसर के सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सुशासन दिवस की शपथ ली।

औद्यो गिक क्षेत्र मोही के 14 भूखंडों के आशय पत्र किए जारी

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने वर्ष-2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी परिदृश्य में बैतूल में भी उद्योगों का विकास हो सके एवं स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके, जिसके लिए मुलताई तहसील में मोही औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया है। यह औद्योगिक क्षेत्र 15 एकड़ में विकसित किया गया है, जिसमें वर्तमान में 27 प्लाटों के लिये 1-15 नवंबर के बीच एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें कुल 91 आवेदन आये थे। राज्य स्तरीय समिति के द्वारा दस्तावेजों का निरीक्षण करने के पश्चात ऐसे 10 औद्योगिक भूखंड, जिसमें पात्र लाभार्थी सिंगल पाए गए उन सभी को आशय पत्र पहले जारी किये जा चुके है एवं शेष 17 औद्योगिक भूखंडों पर 1 से ज्यादा आवेदन आए जिनके बीच एमपी टेंडर के माध्यम से ऑनलाईन ऑक्सन किया गया था, जिनमें से 14 औद्योगिक भूखंडों पर उच्चतम बोली लगाने वाले आवेदकों को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्री कैलाश मानेकर द्वारा आशय पत्र जारी किए गए। इन औद्योगिक भुखंडो पर स्थापित होने वाली इकाईयों के माध्यम से लगभग कुल 150 लोगों को रोजगार एवं 200 करोड़ का निवेश आना प्रस्तावित है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष शिविरों का पुनः शुभारंभ

विदिशा (निप्र)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत चिंहित ग्रामों में विशेष शिविरों का आयोजन पुनः प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन ग्रामों में निवासरत सहरिया जनजातीय वर्ग के नागरिकों को शासन की चिन्हित योजनाओं एवं सेवाओं का शत-प्रतिशत लाभ अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शिविर आयोजित कर कार्य को धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मंगलवार को लटेरी तहसील के दो ग्राम–चौरावर एवं चमरउमरिया–में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में नागरिकों की विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया। शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड, समग्र आईडी, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, जनधन बैंक खाता, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड/पात्रता पर्ची, मतदाता पहचान पत्र सहित पक्की सड़क की उपलब्धता जैसे विषयों पर प्राप्त आवेदनों का समाधान किया गया। इसी क्रम में बुधवार, 24 दिसंबर को बासौदा तहसील के ग्राम ओरंगपुर तथा लटेरी तहसील के ग्राम ईसागढ़ में अभियान के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया था।

आश्रम शाला धनवास में छात्राओं का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित

विदिशा (निप्र)। आश्रम शाला धनवास में आज छात्राओं के विशेष स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा छात्राओं की सामान्य शारीरिक जांच, ऊंचाईदृवजन मापन, हीमोग्लोबिन स्तर, नेत्र परीक्षण एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई।परीक्षण के दौरान छात्राओं को पोषण आहार, स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, एनीमिया से बचाव एवं किशोरावस्था से संबंधित स्वास्थ्य जानकारी प्रदान की गई। जिन छात्राओं में किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या पाई गई, उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया तथा उपचार हेतु संदर्भित किया गया।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देश पर जिले में खाद विक्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में संचालित सभी शासकीय एवं अशासकीय खाद विक्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण कराया गया। यह निरीक्षण संबंधित राजस्व अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद की उपलब्धता, गुणवत्ता, स्टॉक की स्थिति, दर सूची का प्रदर्शन, लाइसेंस एवं अभिलेखों की जांच सहित शासन द्वारा निर्धारित नियमों के पालन की समीक्षा की गई। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि किसानों को निर्धारित दर पर ही खाद उपलब्ध कराई जा रही है तथा किसी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता न हो। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि खाद विक्रय केन्द्रों पर सतत निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा अनियमितता पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इस कार्रवाई का उद्देश्य किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना तथा जिले में पारदर्शी एवं सुचारु वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर उपभोक्ताओं को अधिकारों व डिजिटल न्याय की जानकारी

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत सभाकक्ष सीहोर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग सीहोर श्री योगेश दत्त शुक्ला , सदस्य जिला उपभोक्ता आयोग सीहोर श्री सामेन्द्र सक्सेना, सदस्य जिला उपभोक्ता आयोग सीहोर श्रीमती पूजा खनूजा, प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश चंदेल, लोक सेवा प्रबंधक श्री विजय वामकले सहित उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करने वाले विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं जिले के उपभोक्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अंतर्गत बनाए गए नवीन प्रावधानों एवं उपभोक्ताओं के अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उपभोक्ता न्यायालय में वाद दाखिल करने हेतु ई-दाखिल ऑनलाइन शिकायत प्रणाली तथा तकनीकी प्रक्रियाओं से आमजन को अवगत कराया गया, जिससे उपभोक्ता जागरूक होकर डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग कर सकें। शासन निर्देशानुसार आयोजन की थीम 'डिजिटल न्याय के साथ सक्षम और त्वरित निष्पादन' रखी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नापतौल, हथकरघा, पंचायती राज, लोक सेवा प्रबंधन एवं खाद्य विभाग द्वारा गरिमापूर्ण एवं भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया

नर्मदापुरम के विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्य-प्रणाली को समझा सुशासन दिवस पर हुआ आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के विद्यार्थियों ने बुधवार को भोपाल में संसदीय विद्यापीठ में संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सुशासन दिवस पर विधानसभा पहुँच कर संसदीय कार्य-प्रणाली एवं प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनके जन्म-दिवस 25 दिसम्बर को सार्वजनिक अवकाश होने के एक दिन पूर्व 24 दिसम्बर को सभी शासकीय कार्यालयों में सुशासन दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के विद्यार्थियों ने विधानसभा का दौरा किया। संसदीय विद्यापीठ के संचालक श्री राजेश गुप्ता ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति सजग रहने की समझाइश दी। महिला बाल विकास के अधिकारी श्री अमिताभ अवस्थी, संसदीय विद्यापीठ के अधिकारी श्री एम.के. राजोरिया ने संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी दी। विषय-विशेषज्ञ के रूप में मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय के सेवानिवृत्त उप सचिव श्री के.एल. दलवानी ने विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्य-प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष पं. कुंजीलाल दुबे के नाम पर भोपाल में संसदीय विद्यापीठ का गठन किया गया है। पीठ के माध्यम से विद्यार्थियों को संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया की जानकारी दी जाती है। पीठ में वर्षभर शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में स्थित ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया जाएगा। 24 दिसंबर 2025, बुधवार को दोपहर 3:00 बजे जिला कार्यालय तवा भवन परिसर स्थित ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएट वेयरहाउस खोले जाकर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा आंतरिक निरीक्षण किया जाएगा। तत्संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम श्री राजीव रंजन पाण्डे ने सभी संबंधित अधिकारी/राजनैतिक दलों के पदाधिकारी अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि को निर्धारित समय, तिथि एवं स्थान पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

डाइट रायसेन में जिले के शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यो की बैठक सह संगोष्ठि आयोजित

बोर्ड परीक्षाओं में शासकीय स्कूलों के परिणामों में वृद्धि हेतु कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्राचार्यो को दिए दिशा-निर्देश

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिले के समस्त शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्रचार्यो की समीक्षा बैठक सह संगोष्ठि का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शासकीय स्कूलों के बोर्ड परीक्षा परिणामों में वृद्धि एवं शासन की विभिन्न विभागीय योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं प्राचार्यो को आगामी बोर्ड परीक्षाओं में शासकीय विद्यालयों का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए चरणबद्ध रूप से प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने जिले के 45 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यालयों के प्राचार्यो से परीक्षा परिणाम कम रहने का कारण पूछते हुए इस वर्ष परीक्षा परिणाम सुधारने की कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम हेतु मिशन मोड में कार्य करने और प्रदेश की मेरिट में शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को लाने हेतु संकल्पित होकर कार्य करने के लिए कहा।

बैठक सह संगोष्ठि में जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक द्वारा समेकित छात्रवृत्ति योजना, सीएम हेल्पलाईन आदि को गंभीरता से कुशलतापूर्वक समयावधि में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में सहायक संचालक मोनिका पटेल, प्राचार्य डाइट श्री विजय कुमार नेमा, डीपीसी श्री पीके रैकवार, सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तथा सभी हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सांची विकासखण्ड के रमपुरा बघेडी का किया भ्रमण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा बुधवार को सांची विकासखण्ड के रमपुरा बघेडी का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने उन्नत बकरी पालन कार्यक्रम के तहत बकरी पालन कर रहीं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर जानकारी ली और गांव में भ्रमण कर बकरी पालन कार्य का जायजा भी लिया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने संवाद के दौरान स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से बकरी पालन शुरू करने से लेकर कार्य के विस्तार, बकरी पालन से होने वाली आमदनी, उन्नत नस्ल, संतुलित पोषण, टीकाकरण, देखभाल, चारा प्रबंधन आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया बकरी पालन कार्य कर रहीं महिलाओं को वैज्ञानिक तरीकों से बकरी पालन करने हेतु मार्गदर्शन दिया जाए। साथ ही यदि अन्य महिलाएं या ग्रामीण भी बकरी पालन करना चाहते हैं तो उन्हें भी मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जाए। इस अवसर पर उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विकास, आजीविका मिशन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने मनाया राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

बैतूल (निप्र)। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा 24 दिसंबर 2025 को जनजातीय सामुदायिक मंगल भवन बैतूल में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप पाटिल ने बताया कि भोजन हमारे जीवन का अभिन्न अंग है और भोजन के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम प्रतिदिन जिन खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं , उनमें कई बार मिलावट पाई जाती है। सुबह की दिनचर्या में उपयोग होने वाले दूध में पानी की मिलावट, पनीर, मिठाई एवं अन्य खाद्य पदार्थों में विभिन्न प्रकार की मिलावट आम समस्या बनती जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी खाद्य पदार्थों में मिलावट दिखाई दे, तो इसकी तुरंत जानकारी विभाग को दें। साथ ही उन्होंने बताया कि उपभोक्ता fssai.gov.in वेबसाइट पर जाकर भी मिलावट से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री केके टेकाम ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस एवं 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है, ताकि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की ठगी या धोखाधड़ी न हो। उन्होंने कहा कि 'जागो ग्राहक जागो 'अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है।

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी यह संदेश दिया गया कि उपभोक्ता यदि जागरूक रहेगा तो कोई भी व्यापारी या व्यक्ति उसे ठग नहीं सकता। सरकार की मंशा है कि उपभोक्ताओं को उनकी पसंद की वस्तु सही गुणवत्ता और उचित मूल्य पर प्राप्त हो। उन्होंने बताया कि प्रत्येक उपभोक्ता को चुनने का अधिकार, चयन करने का अधिकार और जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है। यदि उपभोक्ता अपने इन अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करेगा तो उसके साथ कोई भी धोखाधड़ी नहीं हो सकती।

उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि यदि कहीं भी ठगी, मिलावट या किसी प्रकार की समस्या महसूस हो तो इसकी जानकारी तुरंत संबंधित विभाग को दें।

विभाग द्वारा तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि किसी भी स्थान से सामान खरीदते समय बिल अवश्य लें तथा आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ता फोरम में शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। इस अवसर पर संजय शुक्ला, ठाकुर जगदीश राघव, अशोक रघुवंशी, बलराम जसूजा, सुदामा सूर्यवंशी सहित अन्य उपस्थित रहे।

शहरों में घर पर बार, टाइगर रिजर्व में साइलेंस जोन

न्यू ईयर पर वन्य प्राणी कोर एरिया में होटल्स, रेस्तरां में लाउडस्पीकर, डीजे नहीं बजेंगे

भोपाल (नप्र)। न्यू ईयर के पहले 31 दिसम्बर को प्रदेश के शहरों में बार और शोर गुल वाले कार्यक्रमों को लेकर जहां आबकारी और पुलिस विभाग के अफसर तैयारियों में जुट गए हैं, वहीं वन विभाग ने तय किया है कि टाइगर रिजर्व के आस-पास मौजूद होटल्स और रेस्तरां में जाकर डीजे, लाउड स्पीकर और ड्रम्स के शोर के बीच पार्टी मनाने वालों को रोका जाए। इसके पहले टाइगर रिजर्व में मोबाइल पर प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वन्य प्राणी सुरक्षा के मद्देनजर वन विभाग ने सख्ती दिखाते हुए सभी टाइगर रिजर्व प्रमुखों को निर्देशित किया है कि इसका कड़ाई से पालन कराया जाए ताकि टाइगर और अन्य वन्य प्राणियों के रहवास में शोर के कारण कोई खलल नहीं पड़े।

वन विभाग की वन्य प्राणी शाखा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर

टाइगर रिजर्व के पास बने होटल्स, रिसार्ट्स में न्यू ईयर पार्टी में डीजे, ड्रम और अन्य तेज आवाज वाहन यंत्र बजाने पर रोक लगा दी है। वन्य प्राणी शाखा के पीसीसीएफ शुभरंज सेन ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए साइलेंस जोन बनाने के आदेश दिए हैं। इसके चलते ही यह प्रतिबंध लगाया गया है। सेन बताते हैं कि हालांकि यह पहली बार नहीं है। हर साल ही और हमेशा ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में इसका ध्यान रखा जाता है लेकिन नवम्बर में सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक बार फिर अपना आदेश दोहराया है, इसलिए इसे सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है ताकि शोर-शराबे के कारण रात में वन्य जीवों को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

उधर शहरों में घर पर बार की सुविधा

दूसरी ओर भोपाल समेत प्रदेश के अन्य जिलों में शहरी इलाकों में आबकारी अफसरों ने आदेश जारी कर एक दिन का शराब लाइसेंस देने का निर्णय लिया है। आदेश के मुताबिक सिर्फ 500 रुपए देकर घर में बार खोल सकते हैं। जिन रेस्टोरेंट, होटल या गार्डन में 500 से 5 हजार तक भीड़ जुटेगी तो वहां लाइसेंस के बदले 25 हजार से 2 लाख रुपए तक देना पड़ेंगे। न्यू ईयर पर आबकारी विभाग पार्टी के लिए 1 दिन का शराब लाइसेंस देगा। आबकारी विभाग ऑनलाइन लाइसेंस जारी करेगा। आबकारी की यह गाइडलाइन न्यू ईयर से पहले आई है। ऐसे में 31 दिसंबर और 1 जनवरी के दिन भी लोग लाइसेंस ले सकते हैं।

लकड़ी के अलाव भी नहीं जलेंगे

वन्य प्राणियों की सुरक्षा के मद्देनजर अब टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के आसपास के इलाकों में लकड़ी के अलाव नहीं जलेंगे। वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक वाइल्ड लाइफ शुभ रंजन सेन ने प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क व वन्य प्राणी अभयारण्य के लिए जारी निर्देश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिपालन में यह आदेश दिया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि ईको सेंसिटिव जोन में होटल, रिसोर्ट और बिजनेस सेंटर्स में लकड़ी के अलाव नहीं जलाए जा सकेंगे। यहां लकड़ी जलाने पर पूरी तरह मनाही है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कॉमर्शियल उपयोग के लिए फायर वुड जलाने पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें पर्यटकों के नाम पर व्यवसायिक सेंटर में होने वाले आयोजनों में अलाव भी प्रतिबंधित रहेगा। किचिन में भी लकड़ी का उपयोग नहीं किया जाएगा। क्रिसमस और न्यू ईयर के मौके पर टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क के आस-पास बने होटल-रिसोर्ट में विशेष आयोजन रखे जाते हैं, पार्टियों का आयोजन होता है। इसमें अलाव भी खूब जलाए जाते हैं।

सुसाइड नोट में लिखा

सास, पति को माफ नहीं करूंगी, शादी के 7 महीने बाद ही लगाई फांसी

मऊगंज (नप्र)। मऊगंज में 24 साल की नवविवाहिता करुणा द्विवेदी ने फांसी लगा ली। 24 दिसंबर की सुबह घर के कमरे में उसका शव फंदे पर मिला। करुणा ने 10 पेज के सुसाइड नोट में पति और सास को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। लिखा है- रोज-रोज की प्रताड़ना से परेशान हो चुकी हूं। मां, बेटे को कभी माफ नहीं करूंगी।

करुणा की शादी 8 मई 2025 को बधैया भलुहा गांव के रहने वाले शिवम मिश्रा से हुई थी। मीडिया से करुणा के भाई कुलदीप से बात की। उसने कहा- शादी के 15 दिन बाद ही ससुराल वाले दहेज को लेकर परेशान करने लगे थे। यहां तक कि आलू प्याज की भी डिमांड करते थे। एक महीने पहले ही करुणा मायके आई थी, उसने कहा था कि अब वापस नहीं जाऊंगी।

जिसे सुख-दुख का साथी माना, उसी ने धोखा दिया

करुणा ने सुसाइड नोट में लिखा- मैंने आज खुद को खत्म करने का सोचा है। पहले भी कई बार कोशिश की, लेकिन नहीं हो सका। मैं अपना दुख किसी को बताना चाहती थी, लेकिन क्या करूं आपबीती सुनाने के लिए कोई मिला ही नहीं। पति को सुख-दुख का साथी माना था, लेकिन अफसोस उसी ने मजाक बना दिया।

समझ आया कि संत महात्मा क्यों कहते हैं कि कोई अपना नहीं होता। कोई रिश्ता-नाता नहीं होता, लेकिन फिर यह क्यों कहते हैं कि पति परमेश्वर होता है। जब पति कुछ न समझे, अपनापन न दिखाए, सिर्फ अपना सुख देखे... बात-बात पर झगड़ा करे, गाली दे तो फिर उस पति को क्या कहते हैं? ऐसे में पत्नी को कहां जाना चाहिए? क्या करना चाहिए?

क्या सुसाइड ही बेस्ट ऑप्शन है? मैं पूछती हूं, क्यों मुझे हर जगह गलत ठहराया गया? पति मुझसे कहते हैं कि तुम्हारे अंदर अकड़ बहुत है। तुमने मां-बेटे को अलग किया। चूल्हा बंटवा दिया। तुम जैसी लड़कियों को शादी नहीं करनी चाहिए। क्या मैं सच में बहुत बुरी हूं? मैं पूछती हूं कि कब मैंने मां-बेटे को अलग करने की कोशिश की?

इतना परेशान किया कि जीने के लिए कुछ नहीं बचा

सुसाइड नोट में लिखा है- आपने मुझे इतना ज्यादा परेशान कर दिया कि मैं पागल हो गई हूं। जीने के लिए कुछ बचा ही नहीं। दिनभर टॉर्चर कर-करके दिमाग में भर दिया है कि मैं अब किसी काम की नहीं रही। आपको टाइम नहीं है मुझसे बात करने का, हाल-चाल पूछने का। अगर लड़ाई करनी हो, तो सारा दिन फोन लगाकर लड़ाई करते हैं, टॉर्चर करते हैं। आपसे शादी करके मैं क्या, कोई भी लड़की जान दे देगी। इतने घटिया किस्म के पति हैं कि क्या बताऊं। ऐसा लगता है कि जैसे सपना देख रही हूं। हर सुबह सोचती हूं कि शायद सब कुछ ठीक हो जाए, लेकिन ऐसा होने से रहा। कुछ सास होती हैं, जिनको बहू से नफरत होती है। वही है मेरी सास।

टीआई बोले- जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई करेंगे

हनुमना थाना प्रभारी अनिल काकडे ने कहा- प्रथम दृष्टया सुसाइड का मामला है। सुसाइड नोट की भी जांच की जा रही है। फिलहाल कारण स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच एसडीओपी मऊगंज शचि पाठक कर रही हैं। इसके बाद ही वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में जबरदस्त ठंड...

पचमढ़ी में जमी ओस, पारा 4.2 डिग्री

25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे, कई जिलों में घना कोहरा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे का असर लगातार बना हुआ है। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में शुक्रवार सुबह पत्तों पर ओस की बूंदें जम गईं। यहां रात का न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

भोपाल, मंडला, रीवा, सतना, पचमढ़ी, दतिया, धार, गुना, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, खजुराहो, नौगांव, अशोकनगर, झाबुआ, खंडवा, शाजापुर और सीहोर समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़कों पर विजिबिलिटी कम होने से वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा।

मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार-शुक्रवार की रात प्रदेश के करीब 25 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। पचमढ़ी के अलावा रीवा में 5.5 डिग्री, शिवपुरी और खजुराहो में 6 डिग्री, नौगांव और दतिया में 6.2 डिग्री तथा उमरिया में 6.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज हुआ। भोपाल में पारा 7 डिग्री, जबकि इंदौर, उज्जैन और जबलपुर में 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सुबह अलाव का सहारा- ठंड और कोहरे के चलते आम जनजीवन पर असर दिखने लगा है। कई इलाकों में सुबह लोग अलाव तापते नजर आए। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल ठंड से राहत के आसार कम हैं और आने वाले दिनों में रात का तापमान और गिर सकता है।

सर्पदंश से किसान की मौत

पाइप में छिपा बैठा था सांप, उठाते ही मुंह पर काटा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रातीबढ़ इलाके में खेत में एक किसान को सांप ने मुंह पर काट लिया। घटना गुरुवार शाम की है। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

गणपत माली पिता श्यामा माली (37) छाप मुगालिया रातीबढ़ के रहने वाले थे। पेशे से किसान थे। गुरुवार की दोपहर सिंचाई के लिए पाइप बदल रहे थे। एक पाइप को जैसे ही उन्होंने छुआ तो सांप ने मुंह पर काट लिया।

तत्काल परिजन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उनकी मौत हो गई। रातीबढ़ पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। शुक्रवार दोपहर को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिये यातायात रिफ्रेशर कोर्स

यातायात पुलिस निरीक्षक से आरक्षक स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण

एक्सीडेंट रोकने 4 ई फार्मूले पर काम करेंगे ट्रैफिक अफसर

भोपाल (नप्र)। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये दुर्घटना विहीन सफर की ओर एक सार्थक प्रयास पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) द्वारा मध्यप्रदेश के यातायात पुलिस निरीक्षक से आरक्षक स्तर के अधिकारी/ कर्मचारियों को यातायात रिफ्रेशर कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री शाहिद अबसार की पहल पर जिसमें सड़क उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराना जिसमें पदयात्रियों तथा सायकिल चालकों को प्राथमिकता दी गयी हो तथा भविष्य में शून्य सड़क दुर्घटना मृत्यु का लक्ष्य प्राप्त करना। सड़क सुरक्षा को मूलभूत

यातायात सेवा में अविभाज्य अंग के रूप में मान्यता देना।

प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ पर उप पुलिस महानिरीक्षकपीटीआरआई श्री टी.के. विद्यार्थी द्वारा 4ई के प्रमुख सूत्रों जैसे एजुकेशन, इंजीनियरिंग, इन्फोर्समेंट एवं इमरजेंसी केयरकी जानकारी दी गई। इस दौरान पीटीआरआई के सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्री अभिजीत कुमार रंजन, श्री विक्रम रघुवंशी, उपुअ श्री हिमांशु कार्तिकेय तथा अन्य प्रशिक्षण टीम के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस सत्र में सडक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए प्रथमतः गोल्डन आवर के दौरान घायल व्यक्ति को बचाये जाने के लिए राहवीर, केशलेस जैसी बहुपयोगी योजनाओं कि विस्तृत जानकारी उनि. श्रीमती संध्या सिंह द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को दी गई। साथ ही उमनि पीटीआरआई द्वारा वैश्विक स्तर पर जारी सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों को प्रशिक्षणार्थियों सामने रखा गया तथा प्राथमिक उपचार से संबंधी सीपीआर/बीएलएस का प्रशिक्षण भी डेमोन्स्ट्रेशन के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ श्री डॉ. आशीष शर्मा के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में डॉ. मयंक दुबे तथा श्री एस.एस. लल्ली (सेवा निवृत अपुअ) द्वारा यातायात प्रबंधन से संबंधी सड़क अभियांत्रिकी व प्रवर्तन की कार्यवाही तथा उनि. श्रीमती पूजा त्रिपाठी द्वारा संशोधित मोटर यान अधिनियम से संबंधी प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पुलिस अधिकारी की भूमिका को समझाया गया।

स्वतंत्रता सेनानी सरदार उधम सिंह की जयंती पर किया नमन

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी सरदार उधम सिंह जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा जलियांवाला बाग कांड के अक्षम्य अपराध के लिए माइकल ओ ड्वायर को सरदार उधम सिंह जी ने लन्दन में मौत के घाट उतार दिया। राष्ट्र के प्रति उनका अटूट प्रेम देशभक्ति कास्वर्णिम अध्याय है, जो युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति श्रद्धेय शंकर दयाल शर्मा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के विकास और जनसेवा के लिए श्रद्धेय शंकर दयाल शर्मा जी के प्रयास अविस्मरणीय रहेंगे।

ट्रक में घुसी कार के परखच्चे उड़े...तीन दोस्तों की मौत

सांवलिया सेठ से दर्शन कर लौट रहे थे चारों, एमपी-राजस्थान बॉर्डर पर हादसा

जावद (नप्र)। नीमच जिले के नयागांव के पास एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से घायल है। हादसा गुरुवार रात करीब पौने 2 बजे मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर हुआ।

मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ निवासी चारों दोस्त सांवलिया सेठ के दर्शन कर आई-20 कार से लौट रहे थे। नयागांव बैरियर और फाटक के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहे ट्रक (ट्रॉले) के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मृतकों की पहचान मल्हारगढ़ निवासी युवा व्यवसायी पिंकेश मांदलिया, उनके साथी भारत

मोरी (डांगी) और लसूड़िया कदमाला निवासी गोवर्धन लसूड़िया के रूप में हुई है, वहीं भैंसाखेड़ा निवासी राय सिंह पिता गोरा कछावा गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

अयोध्या जाने के सवाल पर दिग्विजय बोले- अहं ब्रह्मस्मि

कहा- कहीं जाने की आवश्यकता नहीं, भाजपा सांसद ने पूछा- जामा मस्जिद जाएंगे क्या?

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से मीडिया ने पूछा, आपने राम मंदिर के लिए चंदा दिया था। आप इसका कई बार जिक्र भी कर चुके हैं। लेकिन आप राम मंदिर दर्शन के लिए कब जा रहे हैं?

दिग्विजय बोले- मैं अब आदि शंकराचार्य जी के अद्वैत वेदांत का अध्ययन कर रहा हूं। और 25 जनवरी को उज्जैन संस्कृत यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर का यहां प्रवचन कराऊंगा। अद्वैत वेदांत क्या है? अहं ब्रह्मास्मि, मेरे में ही ब्रह्म है। इसलिए मुझे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। मेरे हृदय में ही नारायण विराजमान हैं।

सांसद शर्मा ने कहा- दिग्विजय सनातन समाज से माफी मांगें- भोपाल सांसद

आलोक शर्मा ने दिग्विजय सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम हम सबके आदर्श और श्रद्धा के केन्द्र हैं। मैं दिग्विजय सिंह से पूछना चाहता हूं अगर अयोध्या में राम मंदिर नहीं जाओगे तो क्या दिल्ली की जामा मस्जिद में जाओगे? क्या मक्का-मदीना में जाओगे। जनवरी 2021 में दिग्विजय सिंह ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 1,11,111 रुपए का चेक भेजा था। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को एक पत्र भी लिखा था।

रामेश्वर शर्मा बोले- कट्टरपंथियों के प्रवक्ता बन गए दिग्विजय

इधर, विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह इसलिए राम मंदिर नहीं जाना चाहते हैं क्योंकि वे सनातन से नाता तोड़ चुके हैं। वे मुस्लिम कट्टरपंथियों के हाथ की कठपुतली हो चुके हैं। वे चर्च जा सकते हैं, मजार पर चादर चढ़ाने जा सकते हैं, लेकिन मंदिर नहीं जा सकते हैं। मंदिर जाने की बात पर वे कहते हैं मैं स्वयं ही ब्रह्म हो चुका हूं। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह आप सनातन का विरोध कर कट्टरपंथियों के प्रवक्ता बन गए हैं। बांग्लादेश में जब दलित हिंदू भाई को जलाया तो आपने दुख व्यक्त नहीं किया। बल्कि कट्टरपंथियों का साथ दिया। आपने कहा कि हिंदुस्तान में मुसलमानों को सताया जा रहा है।

घर में लटकते मिले मां और दो बेटों के शव

दरवाजा खुला हुआ था, पति खेत से लौटा तो घटना का पता चला

सागर (नप्र)। सागर में मां और दो बेटों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। महिला का पति और जेठ खेत से घर लौटे तो घटना का पता चला।

घटना गुरुवार रात रहली के मैनाई गांव की है। मृतक रचना के जेठ ब्रजेश लोधी ने बताया कि वह और उसका छोटा भाई राजेश (रचना का पति) खेत में सिंचाई करने गए थे। रात करीब पौने 10 बजे वे घर लौटे। दोनों अपने-अपने कमरों की तरफ गए ही थे कि अचानक राजेश के चिल्लाने की आवाज आई। ब्रजेश दौड़कर भाई के कमरे में पहुंचा तो देखा कि बहू रचना (32), भतीजा ऋषभ (5) और छोटा भतीजा राम (2)

अलग-अलग फंदे पर लटके हुए थे।

फंदे काटकर नीचे उतारा- भाईयों ने आनन-फानन में रस्सियां काटकर तीनों को नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की सांसें थम चुकी थीं। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि दरवाजा भी खुला हुआ था। यह हत्या है या आत्महत्या अभी इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने शुक्रवार दोपहर मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की।

एफएसएल टीम ने जुटाए सबूत- सूचना मिलते ही रहली पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक) टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि शवों का पोस्टमॉर्टम कराया है। मामले की जांच की जा रही है।

सब अपने कमरों में थे, तभी हुई घटना

रचना के पति राजेश लोधी तीन भाई हैं। राजेश सबसे छोटा है। बड़े भाई देवेंद्र लोधी की मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी, एक बेटा और तीन बेटियां साथ रहती हैं। मंझले भाई ब्रजेश लोधी अपनी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी भी साथ रहते हैं। मां प्रयागरानी भी साथ घर में रहती हैं। पिता गोपी सिंह लोधी खेत पर बने मकान में रहते हैं। घटना के समय राजेश और भाई ब्रजेश लोधी खेत पर थे। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। रचना अपने दोनों बेटों के साथ खाना खाकर घर के काम पूरे कर अपने कमरे में चली गई थी।